जिसने बदली दिशा जगत् की,
धरती और आकाश की ।
जय बोलो ऋषि दयानन्द की,
जय सत्यार्थ प्रकाश की ।।

।। ओ३म् ।।

वर्ष -५९ अंक - ०७
मूल्य : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक :१००) रु०
आजीवन -१०००) रु०
प्रतिमास ता० १३ को प्रकाशित

आर्य-संसार

आषाढ़-श्रावण : सम्वत् २०७४ वि० जुलाई – २०१७

आर्य समाज कलकत्ता के वर्ष २०१६-१७ के सभासदों की सूची

१. श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
२. श्री अमर सिंह सैनी
३. श्री श्रीराम आर्य
४. श्री राधेश्याम आर्य
५. श्री मनीराम आर्य
६. श्री पंडित आत्मानन्द शास्त्री
७. श्री हरिशंकर ठाकुर
८. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
९. श्री छोटे लाल सेठ
१०. श्री मदन लाल सेठ
११. श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल
१२. श्री नन्दलाल सेठ
१३. श्री सन्तोष सेठ
१४. श्री सतीश आर्य
१५. श्री विनय कुमार आर्य
१६. श्री राजमणि वर्मा
१७. श्री दीपक आर्य
१८. श्री राम अचल प्रजापति
१९. श्री हीरालाल जायसवाल
२०. श्री अच्छेलाल सेठ
२१. श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता
२२. श्री आशाराम जायसवाल
२३. श्री सुरेश चन्द्र जायसवाल
२४. श्री मोती लाल साव
२५. श्री शिवकुमार जायसवाल
२६. श्री ध्रुव चन्द जायसवाल
२७. श्री विजय प्रकाश जायसवाल
२८. श्री अच्छेलाल जायसवाल
२९. श्री रामपूजन वर्मा
३०. श्री योगेशराज उपाध्याय
३१. श्री कृष्ण कुमार जायसवाल
३२. श्री विवेक सेठ
३३. श्री सुदेश कुमार जायसवाल
३४. श्री द्वारका प्रसाद जायसवाल
३५. श्री पंडित देवनारायण तिवारी
३६. श्री रन्जीत कुमार झा
३७. श्री अजय कुमार सेठ
३८. श्री सत्येन्द्र जायसवाल
३९. श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
४०. श्रीमती माधुरी साह
४१. श्री सतीश चन्द्र जायसवाल
४२. श्री विवेक जायसवाल
४३. श्री शीतल प्रसाद आर्य
४४. श्री महेन्द्र जायसवाल
४५. श्री सिद्धार्थ गुप्त
४६. पं० नचिकेता भट्टाचार्य
४७. श्रीमती प्रभावती उपाध्याय
४८. श्रीमती सरोजिनी शुक्ला
४९. श्री अजय कुमार गुप्ता
५०. श्री अभिषेक सेठ
५१. श्री उमाशंकर जायसवाल
५२. श्री राधेश्याम अग्रहरि
५३. श्री धर्मदेव सिंह
५४. श्रीमती विद्यावती सिंह
५५. श्री राजीव गुप्ता
५६. पं० देवव्रत तिवारी
५७. श्री प्रभाकर सेठ
५८. श्री ओमप्रकाश मस्करा
५९. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल
६०. श्रीमती सुशीला पाठक
६१. श्रीमती सत्यवती जायसवाल
६२. श्रीमती चन्दा देवी जायसवाल
६३. श्रीमती नीलम प्रवीण
६४. श्रीमती सावित्री जायसवाल
६५. श्रीमती गीतारानी जायसवाल
६६. श्रीमती सत्यवती गुप्ता
६७. श्रीमती सन्तोष गोयल
६८. श्रीमती सुशीला दम्माणी
६९. श्रीमती सुनीता जायसवाल
७०. श्रीमती जानकी झा
७१. श्रीमती आशा अरोड़ा
७२. श्रीमती साधना देवी जायसवाल
७३. श्रीमती कविता अग्रवाल
७४. श्रीमती कुसुम कपूर
७५. श्रीमती भारती जायसवाल
७६. श्रीमती सरस्वती आर्या
७७. श्रीमती सुशीला जायसवाल
७८. श्रीमती सुषमा गोयल
७९. श्रीमती बीना सेठ
८०. श्रीमती रन्जीता वर्मा
८१. श्रीमती शीला वर्मा
८२. श्रीमती आराधना जायसवाल
८३. श्रीमती शकुन्तला जायसवाल
८४. श्रीमती सुशीला जायसवाल
८५. श्रीमती उर्मिला साव
८६. श्री प्रेमशंकर जायसवाल
८७. श्री देवेश आर्य
८८. श्री विशाल आर्य
८९. श्री राहुल जायसवाल
९०. श्री गजानन्द राम
९१. श्रीमती सुषमा अगरवाल
९२. श्रीमती रीना साव
९३. श्री रतन सेठ
९४. श्री शिवकुमार अग्रहरी

●

ओ३म्

आर्य-संसार

वर्ष ५९ अंक — ७
आषाढ़-श्रावण २०७४ वि०
दयानन्दाब्द १९३
सृष्टि सं० १,९६,०८,५३,११८
जुलाई — २०१७

आद्य सम्पादक
प्रो० उमाकान्त उपाध्याय
(स्मृति शेष)

●

सम्पादक :
श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
सहयोगी संपादक :
श्रीमती सरोजिनी शुक्ला
श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
पं० योगेशराज उपाध्याय

●

शुल्क : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १०० रुपये
आजीवन : १००० रुपये

इस अंक की प्रस्तुति

१. आर्य समाज कलकत्ता के २०१६-२०१७ के सभासदों की सूची		२
२. इस अंक की प्रस्तुति		३
३. व्रत से सत्य तक का मार्ग	(साभार: वेद वीथिका)	४
४. मन्त्रीजी का प्रतिवेदन	मन्त्री—श्री दीपक आर्य	७
५. स्थिर निधिया		१८
६. आर्य समाज कलकत्ता का १ अप्रैल २०१६ से ३१ मार्च २०१७ तक का आय-व्यय विवरण		२२
७. आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण		२९
८. वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण		३२
९. आर्य स्त्री समाज कलकत्ता का आय-व्यय विवरण		३५
१०. आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) का आय-व्यय विवरण		३६
११. १३१वें वार्षिकोत्सव के दानी दाताओं की सूची		३७

प्रकाशक :

सुरेश चन्द जायसवाल
प्रधान

दीपक आर्य
मंत्री

आर्य समाज कलकत्ता

१९, विधान सरणी, कोलकाता-७०० ००६

दूरभाष : २२४१-३४३९ *email : aryasamajkolkata@gmail.com*

'आर्य संसार' में प्रकाशित लेखों का उत्तरदायित्व सम्बन्धित लेखकों पर है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कोलकाता ही होगा।

५४

व्रत से सत्य तक का मार्ग

व्रतेन दीक्षा माप्नोति दीक्षयाप्नोति दक्षिणाम् ।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते ।।

यजु० १९-३०

शब्दार्थ :-

व्रतेन	=	व्रत से, शुभ संकल्प से
दीक्षाम्	=	दीक्षा को, क्रियात्मकता
आप्नोति	=	प्राप्त करता है
दीक्षया	=	दीक्षा से, कार्य से
आप्नोति	=	प्राप्त करता है
दक्षिणाम्	=	दक्षिणाको, सम्पत्ति, यश
दक्षिणा	=	दक्षिणा से
श्रद्धाम्	=	श्रद्धा को
आप्नोति	=	प्राप्त करता है
श्रद्धया	=	श्रद्धा से
सत्यम्	=	सत्य को
आप्यते	=	प्राप्त होता है

भावार्थ :-मनुष्य को व्रत करने से दीक्षा मिलती है । दीक्षा मिलने से दक्षिणा मिलती है । दक्षिणा से श्रद्धा का उदय होता है । श्रद्धा मिलने से सत्य प्राप्त हो जाता है ।

विचार विन्दु :

१. व्रत और दीक्षा की अवधारणा और महत्व । २. दक्षिणा से श्रद्धा कैसे आती है ?
३. श्रद्धा से सत्य पर विश्वास । ४.व्रत से सत्य तक की यात्रा ।

व्याख्या

वैदिक संस्कृति में व्रत की बड़ी महिमा है । व्रत है शिव संकल्प, शिव संकल्प में दृढ़ता पूर्वक जुट जाना । वेद में परमेश्वर को व्रतपति अर्थात् व्रत का पालन पोषण करने वाला कहा

गया है ।

प्रस्तुत मंत्र में सत्य के आचरण का एक मार्ग बताया गया है। मंत्र कहता हैं कि मनुष्य अपने जीवन में व्रत से आरम्भ करता है । व्रत होता हैं--शुभ-संकल्प में दृढ़तापूर्वक आचरण । हमने पौराणिक उपाख्यानों में कल्पवृक्ष का नाम सुना हैं । यह कल्प-वृक्ष तो एक मिथक है। किन्तु संकल्प-वृक्ष सचमुच कल्प-वृक्ष है । मनुष्य जब कोई शुभ-संकल्प करता हैं तो इसका अर्थ है कि वह अपने सामर्थ्य को अपनी योग्यता साधन और सुविधा को उस कार्य के लिए इकट्ठा करता है । और संकल्प का दूसरा चरण है - दीक्षा, दीक्षा का अर्थ होता है - क्रियात्मक आचरण। आज विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त के आयोजन किये जाते हैं । वस्तुतः दीक्षा है--काम करने की ट्रेनिंग--काम करने का आचरण । जब मनुष्य दृढ़ता पूर्वक क्रियात्मक रूप से काम पर जुट जाता हैं तो उसे समाज की ओर से दक्षिणा भी मिलने लगती है, समाज में उसका सम्मान होता है। ये उन्नति की तीन क्रमबद्ध सीढ़ियां हैं । प्रथम व्रत, पुनः द्वितीय दीक्षा और तृतीय दक्षिणा । दक्षिणा का अर्थ धन और मान दोनों की प्राप्ति है । जब मनुष्य संकल्पपूर्वक कार्य में जुट जाता हैं तो लोग उसकी कार्यशीलता की प्रशंसा करते हैं और कार्य के बदले उसे धन भी मिलता हैं। धन बहुत अच्छा साधन हैं किन्तु धन बड़ा बुरा साधन भी है । प्रायः देखा जाता हैं कि धन आने पर लोगों का चाल-चलन, शील स्वभाव बिगड़ने लगता है । धन का यदि सदुपयोग हुआ तब तो वह सुपथ पर ले जायेगा, नहीं तो धन से कई लोग कुपथ की ओर बढ़ने लगते हैं । एक कहावत है -

'प्यादे ते फर्जी भयो, टेढ़ो टेढ़ो जाय ।' धन आया और चाल चलन, आचरण बिगड़ गया। शराब, जुआ, दुराचार साथी बनने लगे ।

कई लोग अपनी उन्नति से पूर्व की स्थिति का सदा ध्यान रखते हैं । वे कभी कुपथगामी नहीं बनते । उन्हें धन भी मिलता है, सम्मान भी मिलता है, किन्तु वे धन-सम्मान को परमेश्वर का प्रसाद मानकर स्वीकार करते हैं । स्वयं सुखी रहते हैं और दूसरों को भी आश्रय देते हैं । उनका धन श्री (आश्रय) बन जाता है । एक सच्ची कथा कही जाती है । एक गरीब व्यक्ति भिक्षा करते-करते एक सेठ जी की गद्दी पर पहुंचा । सेठ जी मनुष्य के पारखी थे । उन्होंने उसका हाव-भाव देखा तो उससे पूछ लिया - क्या तुम नौकरी करोगे ? सेठ ने उसे नौकर रख लिया । सेठ रोज उसकी परीक्षा लेता और वह व्यक्ति नित्य खरा, सत्याचारी प्रमाणित होने लगा । सेठ ने उसे बाजार का काम सौंपा । सैकड़ों का हिसाब रहता लेकिन उसका सत्याचार कभी न डिगा। सेठ ने उसे रुपये ले आने, ले जाने का काम सौंपा । यहां भी वह ईमानदार निकला । सेठ के दूसरे नौकर उसकी उन्नति से जलने लगे । सेठ ने उसकी ईमानदारी देखकर गद्दी का मुनीम बना दिया और बगल ही एक कोठरी में रहने की व्यवस्था कर दी । वह ईमानदार तो था ही । सेठ लाखों का काम उस पर छोड़ देता । कभी एक पैसे की बेईमानी न मिली । दूसरे नौकर और भी जलने लगे । वे लोग उसकी शिकायत करने लगे । सेठ ने शिकायत की अनसुनी कर दी। यह नया मुनीम नित्य स्नान करके प्रथम अपनी कोठरी में जाता, वहां कुछ पूजा-पाठ करता फिर सेठ की गद्दी पर आता । लोगों ने सेठ के कान भरे । धीरे-धीरे सेठ का मन विचलित होने लगा। लोगों ने कहा - यह पहले अपनी कोठरी में जाकर दरवाजा बन्द कर अपना हिसाब करता हैं

फिर आपकी गद्दी पर आता हैं । सेठ के मन में चोर आ गया था । एक दिन मुनीम ने जैसे ही दरवाजा बन्द किया सेठ ने दरवाजा खटखटाया। दूसरों ने भी ललकारा दरवाजा खोलकर जहां के तहां रहो । मुनीम ने दरवाजा खोलकर, दरवाजे के बीच में खड़े होकर हाथ जोड़कर सेठ से प्रार्थना की, 'आप हमारे स्वामी हैं, आप से कुछ छिपाना नहीं लेकिन औरों को मत आने दीजिए ।' सेठ को उसके ऊपर दया आ गई । सेठ ने सबको रोक दिया । दरवाजा फिर बन्द कर दिया । सेठ ने देखा मुनीम के पूजा करने का आसन बिछा था । आसन के सामने एक फटी-पुरानी गठरी रखी थी और कोठरी में कुछ न था । न रुपया, न पैसा, न बक्सा, न तिजोरी। सेठ ने हैरान होकर पूछा--क्या तुम इसी की पूजा करते हो ? मुनीम ने सेठ के पैर पकड़ लिए और बोला-'मालिक मेरे ये वो कपड़े हैं, जिन्हें पहन कर मैं आपसे भीख मांगने आया था । यह भिक्षा की झोली हैं । आपके हीरे-जवाहरात संभालने से पहले इनको देख लेता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं—मैं यह था, अब यह हूं । प्रभु मेरा ईमान ठीक रहें । मेरे सेठ की गद्दी अचल रहे ।' सेठ की आंखों में आंसू थे । सेठ ने उसे छाती से लगा लिया और दूसरे नौकरों को डांटा कि यह मनुष्य नहीं देवता हैं। उसे और भी सब काम सौप दिया ।

मनुष्य जब दक्षिणा पाता हैं तो उसके हृदय में सच्चाई के प्रति श्रद्धा होती हैं । उसे परमेश्वर और सत्य पर विश्वास होता हैं और उसे सत्य की प्राप्ति भी हो जाती है । यह मंत्र व्रत से सत्य तक की यात्रा का प्यारा वर्णन करता हैं ।

•

बंगाल में आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पं० ओम प्रकाश विद्यावाचस्पति तृतीय आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर २८ मई से ४ जून २०१७ तक आर्य समाज कलकत्ता १९, विधान सरणी में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल के प्रधान श्री श्रीराम आर्य, प्रधान अतिथि आर्य समाज बड़ाबाजार के पूर्व प्रधान श्री खुशहाल चन्द आर्य द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया ।

शिविर में बंगाल, बिहार, झारखण्ड एवं कर्नाटक से ९४ शिविरार्थियों ने भाग लिया ।

प्रसिद्ध उद्योगपति श्री श्रद्धानन्द अग्रवाल द्वारा शिविरार्थियों को आर्य साहित्य वितरित किया गया। प्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुधीरजी आहुजा द्वारा शिविरार्थियों के भोजन में उदार सहयोग रहा ।

शिविर का आयोजन बंगीय वेद प्रचार सभा द्वारा किया गया । शिविर की संयोजिका श्रीमती अर्चना शास्त्री, शिविर अध्यक्ष पं० सतीश चन्द्र मंडल, शिविर सचिव पं० वेद प्रकाश शास्त्री एवं पं० मधुसूदन शास्त्री, पं० अपूर्व देव शर्मा, आचार्य ब्रह्मदत्त का कार्यक्रम सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

मंत्री
(बंगीय वेद प्रचार सभा)

।। ओ३म् ।।

आर्य समाज कलकत्ता

का संक्षिप्त विवरण एवं स्थायी क्रिया-कलाप

आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना १८८५ ई० में हुई थी और स्थापना में ही यह प्रकट हो गया था कि इस समाज का भविष्य बड़ा उज्जवल है । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधान राजा तेजनारायण जी थे । श्री तेजनारायण जी भागलपुर के रईस थे, अच्छे सम्पन्न थे और सम्पन्नता के साथ ही बड़े उदार हृदय के व्यक्ति थे । संस्थापक उपप्रधान जस्टिस पंडित शम्भूनाथ जी पण्डित के सुपुत्र पण्डित शंकरनाथ जी थे । पण्डित शंकरनाथ जी सम्पन्न तो थे ही, उच्च कोटि के विद्वान् और लेखक भी थे । राजा तेजनारायण और पण्डित शंकरनाथ का साथ-साथ प्रधान-उपप्रधान निर्वाचित होना मणि-कांचन जैसा सुयोग था । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधानमंत्री बाबू महावीर प्रसाद जी निर्वाचित हुए । बाबू महाबीर प्रसाद जी राजा तेजनारायण जी के व्यवसाय और जमींदारी का दायित्व कोलकाता में सम्भालते थे ।

प्रगति के चरण:—आर्य समाज कलकत्ता अपने स्थापना काल से ही प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहा । प्रारम्भ में ही आज से १३० वर्ष पूर्व आर्यावर्त्त प्रेस स्थापित किया गया । इसके लिए राजा तेजनारायण जी ने २० हजार रुपये और पण्डित शंकरनाथ जी ने अपने निवास स्थान में दो कमरे दिए थे । उस आरम्भिक काल में भी आर्य समाज कलकत्ता ने आर्यावर्त्त नाम का एक पत्र प्रकाशित करना आरम्भ किया । पण्डित रुद्रदत्त शर्मा सम्पादकाचार्य इस पत्र के प्रथम सम्पादक नियुक्त हुए । राजा तेजनारायण जी ने १० हजार रुपये की सहायता देकर श्री देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय को स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की जीवनी लिखने के लिए सामग्री संचय के निमित्त प्रदान किया । आज १३१ वर्षों बाद ये १०, २० हजार रुपये आज कितने लाख हुए यह किसी के भी अनुमान का विषय हो सकता है । आरम्भ से ही आर्य समाज कलकत्ता के अधिकारी और कार्यकर्त्ता आर्य समाज कलकत्ता को प्रगति के पथ पर अग्रसर किये जा रहे हैं । पिछले १३० वर्षों के सुदीर्घ काल में प्रगति के निम्न चरण उल्लेखनीय हैं । एक सूची निम्न प्रकार की जा सकती है—

(१) आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना	१८८५ ई०
(२) आर्य कन्या विद्यालय की स्थापना	१९०२ ई०
(३) आर्य समाज मंदिर की भूमि का क्रय	१९०७ ई०
(४) आर्य कन्या विद्यालय के लिए मकान का क्रय	१९०९ ई०
(५) आर्य समाज मन्दिर का निर्माण	१९१० ई०
(६) आर्य समाज कलकत्ता की रजत-जयन्ती	१९१० ई०
(७) आर्य महिला शिक्षा मंडल ट्रस्ट की स्थापना	१९३५ ई०
(८) आर्य समाज कलकत्ता की स्वर्ण जयन्ती	१९३५ ई०

(९) आर्य विद्यालय की स्थापना	१९३६ ई०
(१०) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए रानी बिड़ला भवन का निर्माण	१९३७ ई०
(११) आर्य स्त्री समाज की स्थापना	१९५२ ई०
(१२) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए दूसरे भवन का निर्माण	१९५५ ई०
(१३) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला	१९५७ ई०
(१४) महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय	१९५९ ई०
(१५) आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन	१९५९ ई०
(१६) आर्य समाज कलकत्ता की हीरक जयन्ती	१९६१ ई०
(१७) रघुमल आर्य विद्यालय के लिए भवन का निर्माण	१९६२ ई०
(१८) ऋषि जीवन पर म्यूराल पेन्टिंग (गैलरी में)	१९६६ ई०
(१९) आर्य विद्यालय ट्रस्ट की स्थापना	१९६७ ई०
(२०) आर्य कन्या महाविद्यालय की हीरक जयंती (७५ वर्ष)	१९७७ ई०
(२१) सुवा देवी पोद्दार हाल का निर्माण	१९७८ ई०
(२२) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला दूसरा तल्ला	१९७८ ई०
(२३) आर्य समाज कलकत्ता की शताब्दी	१९८५ ई०
(२४) रघुमल आर्य विद्यालय की स्वर्ण जयंती	१९८६ ई०
(२५) आर्य कन्या महाविद्यालय की शताब्दी	२००२ ई०
(२६) आर्य समाज मन्दिर की छत पर हॉल का निर्माण	२००८ ई०
(२७) आर्य संसार मासिक पत्र की स्वर्ण जयन्ती	२००९ ई०
(२८) आर्य समाज कलकत्ता का द्वितीय शताब्दी — रजत-जयन्ती	२०१० ई०
(२९) लिफ्ट का निर्माण	२०१२ ई०
(३०) आर्य गौरव (बंग भाषा में) मासिक पत्र का प्रकाशन	२०१३ ई०

प्रगति के इन चरणों पर विहंगम दृष्टि डालने से किसी भी संस्था को अपनी प्रगति से संतोष का अनुभव होना स्वाभाविक है । इस समय आर्य समाज कलकत्ता कई प्रकार के जनसेवा के कार्यो का संचालन कर रहा हैं, जिसका विवरण निम्न हैं ।

महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय :– महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय का आरम्भ प्रसिद्ध आर्य महाउपदेशक ठाकुर अमर सिंह जी ने १९५९ ई० में प्रारम्भ किया । ठाकुर अमर सिंह जी कुशल मिशनरी की तरह आयुर्वेद का भी अच्छा ज्ञान रखते थे । उस समय आर्य समाज कार्यालय के प्रभारी आयुर्वेद-भास्कर श्री दिनेश चन्द्र शर्मा थे । इनके सहयोग में श्री अमृत नारायण झा सहयोगी वैद्य का कार्य करने लगे । वर्तमान में इस औषधालय के अनुभवी चिकित्सक वैद्य श्री अमृत नारायण झा हैं ।

आर्य समाज के विशाल भवन में प्रवेश करते ही प्रथम खण्ड में बायीं ओर महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय और दाहिनी ओर आर्य समाज कलकत्ता का पुस्तकालय है । औषधालय प्रतिदिन प्रातः काल ७.३० बजे से १० बजे तक खुला रहता है और प्रतिदिन औसत में ६०-७० रोगी लाभ उठाते हैं । इस वर्ष औषधालय पर लगभग एक लाख रुपया का वार्षिक व्यय है ।

होमियोपैथिक चिकित्सा :—प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को सायं काल ५ बजे से ७ बजे तक डा० हरिशंकर ठाकुर निःशुल्क होमियोपैथी चिकित्सा प्रदान करते हैं । रोगियों की चिकित्सा और औषधि वितरण निःशुल्क किया जाता है ।

नेत्र चिकित्सा विभाग :—आर्य समाज कलकत्ता की युवा शाखा के तत्वावधान में प्रत्येक सोमवार को १२.३० बजे से १.३० बजे तक रोगियों का नेत्र परीक्षण और चिकित्सा डा० शौभिक घोष की देख-रेख में निःशुल्क करने की व्यवस्था है । आवश्यकता होने पर रोगियों को चश्मा भी निःशुल्क दिया जाता है ।

प्याऊ की व्यवस्था :– दुर्गापूजा के समय सप्तमी से विजयादशमी तक प्रतिदिन सांयकाल ७ बजे से रात्रि १२ बजे तक प्याऊ की व्यवस्था युवा शाखा की ओर से की जाती है । आर्य समाज कलकत्ता के द्वितीय शताब्दी — रजत जयन्ती समारोह के अवसर पर स्थापना के १२५ वें वर्ष में मशीन द्वारा शीतल जल की व्यवस्था श्री शिवकुमार एवं श्रीमती सुनीता देवी जायसवाल द्वारा लगवाया गया तथा प्याऊ का पुनरूद्धार किया गया ।

आर्य समाज कलकत्ता के मुख्य क्रिया कलाप–आर्य समाज कलकत्ता एक सक्रिय समाज है उसके कई कार्यक्रम स्थायी रूप से सम्पूर्ण वर्ष चलते रहते हैं ।

दैनिक यज्ञ :–सम्पूर्ण वर्ष प्रतिदिन प्रातः काल अनिवार्य रूप से देव यज्ञ का कार्यक्रम होता है । इस वर्ष १ अगस्त २०१६ से सायकाल ७:०० बजे से ७-३० बजे तक भी यज्ञ अनिवार्य रूप से प्रारम्भ हुआ । सायंकालीन यज्ञ की शुरूआत समाज के पूर्व प्रधान श्री अच्छेलालजी सेठ के प्रयास से सम्भव हो पाया । वे नियमित रूप से सायं यज्ञ में उपस्थित रहते हैं । प्रातः एवं सायं ७-०० से ७-३० बजे तक दैनिक यज्ञ में कोई न कोई विद्वान अवश्य सम्मिलित होते हैं ।

साप्ताहिक सत्संग :– आर्य समाज कलकत्ता का साप्ताहिक सत्संग प्रति रविवार प्रातः काल ८.३० से १२ बजे तक होता है । प्रातः ८.३० से १० बजे तक यज्ञ का कार्यक्रम श्री पंडित नचिकेता भट्टाचार्य जी के द्वारा सम्पन्न कराया जाता है, यह साप्ताहिक यज्ञ बड़ा जनप्रिय है । इसमें लगभग ६०-७० व्यक्ति उपस्थित होते हैं । यज्ञ के पश्चात् प्रसाद और प्रातराश की व्यवस्था समाज की ओर से होती है । यज्ञ के पश्चात् सत्यार्थ प्रकाश की कथा, भजन, संगीत और मुख्य प्रवचन की व्यवस्था रहती है। आर्य समाज कलकत्ता के पण्डितगण—पण्डित आत्मानन्द शास्त्री, पण्डित देवनारायण तिवारी और पण्डित कृष्णदेव शास्त्री की सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं । सत्यार्थ प्रकाश की कथा बहुधा पण्डित आत्मानन्द शास्त्री करते हैं । भजन और संगीत में आर्य समाज के सदस्यों का सहयोग तो रहता ही है साथ ही

प्रसिद्ध भजनोपदेशकों द्वारा संगीत और भजन प्रस्तुत किया जाता हैं। सत्संग में मुख्य प्रवचन पण्डित देवनारायण तिवारी, आचार्य ब्रह्मदत्त जी एवं पं० योगेशराज उपाध्याय जी का होता है । कोलकाता जैसे महानगर में कई बार बाहर से विद्वान् संन्यासी उपस्थित हो जाते हैं उनके प्रवचन से भी समाज को लाभ होता है ।

आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग –

आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की स्थापना सन् १९५२ ई० में **माता वीरावाली मनचन्दा एवं माता विद्यावती सभरवाल** आदि माताओं के प्रेरणा एवं प्रयास से आर्य समाज कलकत्ता की छत्र-छाया में हुई। आर्य स्त्री समाज का सत्संग प्रत्येक बुधवार को अपराह्न ३ बजे से ५ बजे तक होता है । जिसमें यज्ञ, वेदपाठ, भजन, उपदेश सन्ध्या आदि का कार्यक्रम होता है । आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग पण्डित नचिकेता भट्टाचार्य जी की देख-रेख में होता है । पण्डित जी अध्यात्म के विभिन्न विषयों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाते एवं मार्गदर्शन करते हैं ।

पण्डित नचिकेता जी के सान्निध्य में इस वर्ष स्वतन्त्रता दिवस, दीपावली प्रीति सम्मेलन, बसन्त पंचमी, होली उत्सव तथा नव संवत्सर आदि त्यौहार बड़ी धूम-धाम से मनाये गये ।

जो नियमित सदस्याएँ है उन्हें आर्य स्त्री समाज की तरफ से उनके जन्म दिवस पर एक नारियल और अभिनन्दन पत्र उनकी उपस्थिति में दिया जाता है । जो सदस्याएँ उस दिन उपस्थित नहीं हो पाती हैं उनके घर अभिनन्दन पत्र भेज दिया जाता है तथा प्रधाना जी के द्वारा दूरभाष के माध्यम से बधाई दे दी जाती है ।

जनवरी में होने वाले चंडीपुर के वार्षिकोत्सव पर तकरीबन ३० महिलाएँ चंडीपुर समाज में गई थी वहाँ जाकर उन्होंने अपना योगदान दिया और सभी ने वहाँ बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को काफी सराहा और आनंद उठाया । नई सदस्याएँ रीना साव एवं विनीता जायसवाल है ।

महीने में एक बार किसी भी सदस्या के घर पारिवारिक सत्संग होता है तो उन्हें 'ओ३म्' का memento और धन्यवाद पत्र दिया जाता है । वर्तमान में आर्य स्त्री समाज की प्रधाना श्रीमती सुशीला दम्मानी , मंत्रिणी श्रीमती चन्दा आर्या हैं । इस समय सदस्याओं की संख्या लगभग ५४ है । आर्य स्त्री समाज द्वारा बालक सत्संग को चलाने के लिये सहयोग दिया जाता है।

पं० नचिकेता जी के कुछ नया करने की प्रेरणा से प्रेरित होकर स्त्री समाज ने इस वर्ष मई महीने में जब प्रचंड गर्मी पड़ती है उस समय प्रथम बार 'आम पन्ना' पिलाने का प्रयास किया और तकरीबन ५०० लोगों को आम पन्ना पिलाया गया । सभी सदस्याओं के अथक प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा ।

आर्य स्त्री समाज आर्य समाज कलकत्ता के वार्षिकोत्सव पर महिला सम्मेलन के अवसर पर अपनी वयोवृद्ध सदस्याओं में से किसी एक सदस्या का सार्वजनिक अभिनन्दन करती है। इस वर्ष श्रीमती कमला देवी जायसवाल का अभिनन्दन किया गया । महिला सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ० ज्योत्सना आर्या जी ने की । इस वर्ष वार्षिक उत्सव कार्य के कार्यक्रम में पिछले ३ वर्षों से विभिन्न पदों पर आसीन सदस्याओं को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया, भविष्य में भी हम इसी तरह समाज के लिए कार्य करने वाली सदस्याओं को सम्मानित करती रहेंगी । अत्यधिक उपस्थिति के लिए श्रीमती सत्यवती जायसवाल जी को पुरस्कार प्रदान किया गया तथा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार पाने वाली सदस्याओं को भी पुरस्कृत किया गया ।

बाल सत्संग

बाल सत्संग—२६ जून २०११ से पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी की प्रेरणा एवं आर्य स्त्री समाज कलकत्ता के सहयोग से बाल सत्संग पुनः प्रारम्भ हुआ । बाल सत्संग प्रत्येक रविवार को प्रातः ९.३० बजे से १२ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में चलता है । बाल सत्संग पं० वेद प्रकाशजी शास्त्री के सान्निध्य में चल रहा है जिसमें सन्ध्या, यज्ञ, भजन, मन्त्रपाठ, नैतिक शिक्षा तथा वैदिक सिद्धान्तों की शिक्षा प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त बच्चों को ड्राइंग तथा वाद्य यन्त्रों के साथ भजन गायन का अभ्यास कराया जाता है । बाल सत्संग में ४०-५० बच्चे उपस्थित होते हैं । बाल सत्संग के संचालन में श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, श्री शिवकुमार जायसवाल तथा श्री सुदेश जायसवाल सक्रिय सहयोग प्रदान करते हैं ।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :—आर्य समाज मन्दिर में प्रवेश करते ही दक्षिण पार्श्व में समाज का अपना वाचनालय है जिसके खुलने का समय प्रातः ९ बजे से १२ बजे तक तथा सायं ६ बजे से ८ बजे तक है । वाचनालय में देश में प्रकाशित विभिन्न भाषाओं के समाचार पत्रों एवं सांस्कृतिक पत्रिकाओं के पठन-पाठन की सुव्यवस्था है ।

पुस्तकालय में सहस्रों पुस्तकें हैं । आर्य समाज कलकत्ता में आरम्भ से ही पुस्तकालय रहा है । इसमें महत्वपूर्ण पुस्तकें क्रय करके दी जाती रही हैं । पुस्तकालय में इच्छुक सदस्यों को स्वाध्यायार्थ पुस्तकें देने की भी व्यवस्था है ।

बंगला साहित्य प्रचार

आर्य समाज के सिद्धान्तों एवं वैदिक धर्म प्रचारार्थ आर्य समाज कलकत्ता द्वारा समय-समय पर बंगला पुस्तकों का प्रकाशन एवं वितरण किया जाता है। वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट द्वारा बंगला भाषा में सत्यार्थ प्रकाश का प्रकाशन पं० सतीश चन्द्र मण्डल जी के सम्पादकत्व में किया गया है । प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु जी द्वारा लिखित पुस्तक **'वेद क्यों और क्या ?'** तथा प्रो० उमाकान्त उपाध्याय जी द्वारा लिखित पुस्तक **'श्राद्ध और तर्पण'** एवं **'वेद और स्वामी दयानन्द'** जिसका बंगानुवाद किया है पं० वासुदेव शास्त्री जी (जयपुर) ने, का प्रकाशन आर्य समाज कलकत्ता द्वारा किया गया । सर्वसाधारण के लिये सत्यार्थ प्रकाश का सस्ता संस्करण आर्य समाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित किया गया ।

'आर्य संसार' मासिक पत्र

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन नियमित रूप से १९५९ ई० से अनवरत होता रहता है । इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य आर्य ऋषियों के ज्ञान को राष्ट्र एवं समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाना एवं अपने सहयोगियों से सम्पर्क स्थापन रखकर सैद्धान्तिक रूप में कुछ सेवा करना है ।

'आर्य गौरव' (बंग-भाषा) मासिक पत्र

बंग-भाषी क्षेत्रों में वैदिक सिद्धान्तों के व्यापक प्रचार व प्रसार हेतु तथा आर्य समाज की गतिविधियों को विस्तारित करने हेतु जनवरी २०१३ से अनवरत **'आर्य गौरव'** मासिक पत्र का बंगला-भाषा में

प्रकाशन किया जा रहा है । इस पत्रिका का लोकार्पण प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु (अबोहर) जी के कर कमलों द्वारा हुआ था । इसके सम्पादक पं० वेदप्रकाश शास्त्री जी है ।

शैक्षणिक कार्य

वेद प्रचार व साहित्य प्रचार के साथ-साथ शिक्षा के प्रचार व प्रसार में आर्य समाज ने अद्वितीय कार्य किया है । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा भी दो विशाल शिक्षण संस्थायें संचालित हो रही हैं ।

आर्य कन्या महाविद्यालय—आर्य समाज कलकत्ता ने सन् १९०२ में नाई टोला में कन्या विद्यालय खोला । १९०९ में कन्या विद्यालय का भवन खरीदा गया । २०नं० विधान सरणी में प्रसिद्ध आर्य कन्या महाविद्यालय का भवन बनवाया गया । भवन का स्वामी आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट है । इस समय आर्य कन्या महाविद्यालय के माध्यमिक विभाग में लगभग १७०० छात्राएँ एवं ४० अध्यापिकाएँ हैं । माध्यमिक विभाग की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, मन्त्री श्री मनीराम आर्य, श्रीमती लिपिका आदित्य (टीचर इन्चार्य) तथा सदस्य श्री श्रीराम आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, डा० सुब्रत लाहिड़ी, डा० हरिशंकर ठाकुर, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, अभिभावक प्रतिनिधि—श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव एवं श्री किशोरी लाल हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरून्धती चौधरी Govt. Nominee है । सरकारी मान्यता प्राप्त Vocational Training की भी व्यवस्था है जिसमें ब्यूटिशियन, सिलाई आदि की शिक्षा दी जाती है तथा उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है ।

आर्य कन्या महाविद्यालय (प्राथमिक विभाग)–आर्य कन्या महाविद्यालय प्राथमिक विभाग में २२ अध्यापिकाएँ एवं लगभग ५०० छात्राएँ हैं । इसमें शिशु से चतुर्थ श्रेणी तक शिक्षा दी जाती है । शिक्षा का माध्यम हिन्दी है । प्राथमिक विभाग की प्रबन्ध समिति में श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल अध्यक्ष, श्री मनीराम आर्य मन्त्री, श्रीमती रश्मि तिर्की (टीचर इन्चार्ज), सदस्य श्री दीपक आर्य, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती नीता तलवार, अभिभावक प्रतिनिधि श्रीमती बबली शर्मा, श्री बिपुल राउत तथा वार्ड कांउसिलर श्रीमती साधना बोस हैं । माध्यमिक और प्राथमिक दोनों विभाग सरकारी सहायता प्राप्त है । दोनों विभागों में वैदिक शिक्षा दी जाती है ।

महर्षि दयानन्द एकेडमी – महर्षि दयानन्द एकेडमी की स्थापना चार वर्ष पूर्व हुयी । इसमें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है । छोटे बच्चों को Play group से Class - I तक ।

आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट–आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट कलकत्ता आर्य कन्या विद्यालय की उन्नति के लिए साथ ही महिलाओं में बहुविधि शिक्षा प्रचार करने की दृष्टि से २४ सितम्बर १९३६ ई० को आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के नाम से रजिस्ट्री करायी गयी । इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य कन्या विद्यालय को अच्छी तरह संचालित करना है ।

वर्तमान में इस ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी इस प्रकार हैं—श्री गजानन्द आर्य, श्री ओम प्रकाश मस्करा, श्री श्रीराम आर्य, श्री अच्छेलाल सेठ । आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के प्रधान—श्री श्रीराम आर्य, मन्त्री—श्री अच्छेलाल सेठ, कोषाध्यक्ष — श्री दीपक आर्य हैं ।

रघुमल आर्य विद्यालय

इस विद्यालय की स्थापना १९३६ ई० में की गयी । इसका आरम्भिक नाम आर्य विद्यालय था। विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मनीराम आर्य, मन्त्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, श्री राजीव सरकार (टीचर इन्चार्ज), सदस्य—श्री मनोज पोद्दार, श्री श्रीराम आर्य, श्री दीपक आर्य, डा० अजय आर्य, शिक्षक प्रतिनिधि श्री दिनेश सिंह, श्रीमती विनीता रोज कुजुर, अभिभावक प्रतिनिधि श्री सुनील सिंह, श्री सुरेश दास हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरुन्धती चौधरी हैं ।

इस समय विद्यालय में लगभग १००० छात्र एवं १९ अध्यापक है । श्री राजीव सरकार टीचर इन्चार्ज हैं ।

रघुमल आर्य विद्यालय (प्राथमिक विभाग)

प्राथमिक विभाग में इस समय लगभग ४०० छात्र एवं ८ अध्यापक हैं । विद्यालय ७४, आमहर्स्ट रो में दिन के समय एवं ३३ सी, मदन मित्र लेन में प्रातः चलता है । माध्यमिक एवं प्राथमिक दोनों विभाग को सरकारी सहायता प्राप्त हैं । दोनों विभाग में वैदिक धर्म की शिक्षा दी जाती है । प्राथमिक विभाग के प्रबन्ध कार्यकारिणी के अध्यक्ष—श्री ध्रुवचन्द जायसवाल, मन्त्री श्री दीपक आर्य सदस्य—श्री मदन लाल सेठ, श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, प्रधानाध्यापक—श्री आर.पी. ओझा शिक्षक प्रतिनिधि—श्री सियाराम तिवारी, अभिभावक प्रतिनिधि श्री अजित कुमार शर्मा, श्रीमती गुंजा चौरसिया, वार्ड काउन्सिलर—श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता हैं ।

आर्य विद्यालय ट्रस्ट

विद्यालय का वर्तमान भवन जो ३३, सी, मदन मित्र लेन में हैं, उसको इस स्वरूप में लाने का श्रेय जहाँ आर्य विद्यालय ट्रस्ट के उत्साही सदस्यों को है वहीं इसमें रघुमल चैरिटी ट्रस्ट के आदर्श दान का बड़ा महत्व है, जो सेठ किशनलाल पोद्दार की सूझ-बूझ एवं दूरदर्शिता से सम्भव हो सका था। आर्य विद्यालय ट्रस्ट के वर्तमान ट्रस्टी हैं — (१) श्री श्याम सुन्दर सांगनेरिया, (२) श्री मनोज पोद्दार, (३) श्री सुवीर पोद्दार (४) श्री रवि पोद्दार, (५) श्री श्रीराम आर्य, (६) श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, (७) श्री दीपक आर्य, (८) श्री अमर सिंह सैनी (९) श्री अनिरुद्ध पोद्दार ।

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा वर्ष भर आयोजित किये गये कार्यक्रमों की सूची

(१) त्रिदिवसीय व्याख्यामाला :- आर्य समाज के सिद्धान्तों एवं विचारो को आर्य समाज के परिसर से बाहर प्रस्तुत करने का प्रयास आर्य समाज कलकत्ता ने किया । इसी कड़ी में आर्य समाज कलकत्ता तथा बड़ाबाजार पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में एक त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन १ अप्रैल से ३ अप्रैल तक किया गया, जिसका विषय था ''वर्तमान की दशा'' । १ अप्रैल का कार्यक्रम आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में सायँ ७ से ८-३० तक हुआ । डा० वागीशजी (मुम्बई) ने **''नींद में चलता हुआ देश''** विषय पर सारगर्भित व्याखान प्रस्तुत किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता **छपते-छपते** पत्रिका के संपादक श्री विश्वम्भर नेवर जी ने किया । २ अप्रैल का कार्यक्रम

बड़ाबाजार पुस्तकालय के सभागार में हुआ। इस अवसर पर डा० वागीशजी (मुम्बई) ने ''वर्ण व्यवस्था **बनाम जातिवाद**'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये, कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान पत्रिका के संपादक श्री राजीव हर्ष जी ने किया। ३ अप्रैल का कार्यक्रम आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में साप्ताहिक सत्संग के अवसर पर हुआ जिसमें श्री श्यामानंद जी के भजन के उपरान्त विद्वान वक्ता डा० वागीशजी (मुम्बई) ने **''गति के विस्तार में प्रगति का अवरोध''** इस विषय पर विचार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विमल लाठ जी ने किया।

(२) आध्यात्मिक महिला सत्संग :- डा० वागीशजी (मुम्बई) के तत्वावधान में आर्य स्त्री समाज द्वारा १ अप्रैल से ३ अप्रैल तक अपराह्न ३-३० बजे से ५-०० बजे तक आध्यात्मिक महिला सत्संग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पारिवारिक समस्याओं और उसके निदान पर आचार्य जी ने अपने विचारों द्वारा श्रोताओं को प्रभावित किया।

(३) नवसंवत्सरोत्सव एवं आर्य समाज स्थापना दिवस :- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् २०७३ (नव वर्ष) एवं आर्य समाज स्थापना दिवस ८ अप्रैल को सायं ६-३० बजे से ९-०० बजे तक मनाया गया। जिसमें ६-३० से यज्ञ तदुपरान्त भजन व व्याख्यान आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में हुआ। कार्यक्रम के समापन पर प्रीतिभोज का भी आयोजन हुआ।

(४) बंगाल में आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर :- आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज हावड़ा, भवानीपुर आर्य स्त्री समाज, आर्य समाज आसनसोल द्वारा स्व० पं० ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति की स्मृति में एक विशाल आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी, कोलकाता-६ में २९ मई से ५ जून २०१६ तक किया गया। शिविर में बंगाल के ६५ आर्यसमाजों के १०९ प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(५) **श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह :-**आर्य समाज कलकत्ता द्वारा **श्रावण पूर्णिमा बुधवार १८ अगस्त से श्री कृष्ण जन्माष्टमी २५ अगस्त बुधवार २०१६ पर्यन्त** आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी, कलकत्ता-६ के सभागार में श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिदिन प्रातः ७ बजे से ७.३० बजे तक यजुर्वेद पारायण यज्ञ आचार्य डा० शिवदत्त पाण्डेय जी के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ। ऋत्विक्गण के रूप में वेद पाठ कर रहे थे—प० आत्मानन्द शास्त्री, पं नचिकेता भट्टाचार्य, पं० देव नारायण तिवारी, पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० योगेशराज उपाध्याय, पं० कृष्णदेव मिश्र, श्रीमती अर्चना शास्त्री।

(६) श्रीकृष्ण जन्माष्टमी :- २५ अगस्त २०१६ को सायं ७ बजे से योगेश्वर श्री कृष्ण जी की जन्म जयन्ती आचार्य डा० वेदपाल जी के अध्यक्षता में मनायी गयी। आचार्य डा० वेदपाल जीने योगेश्वर श्रीकृष्ण के जीवन के राष्ट्रीय स्वरूप पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर श्रीमती सुमन आर्य (समस्तीपुर) भजन द्वारा भजन तथा आचार्य राहुलदेव, पं० देवनारायण तिवारी, श्री मनीराम आर्य जी ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये।

(७) अन्तर्विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता :-आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा

आयोजित ३०वाँ अन्तर्विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता रविवार दिनांक २१-८-१६ को आर्य समाज कलकत्ता १९, विधान सरणी में आयोजित हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के प्रधान श्री सुरेशचंद जायसवाल जी ने किया । आर्य समाज के सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य डा० वेदपाल जी (मेरठ) ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया । नगर के सुप्रसिद्ध विद्यालयो से छात्र-छात्राएँ देश-भक्ति पर आधारित गीतों के गायन हेतु ईस कार्यक्रम में उपस्थित हुए । प्रतियोगिता के परिणाम को निर्धारित करने हेतु निर्णायक मण्डल था जिसके निर्णायानुसार लोरेटो डे स्कूल (बहुबाजार) का छात्रा इशिका मुखर्जी ने प्रथम, आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्रा ईशानी नाग ने द्वितीय तथा शिक्षायतन स्कूल की छात्रा मधुजा चौधरी ने तृतीय स्थान अर्जित किया । इसके अतिरिक्त निर्णायकों ने चिल्ड्रेन सेमिनेरी स्कूल के छात्र राहुल मिश्रा को विशिष्ट पुरस्कार से पुरस्कृत किया ।

(८) रक्तदान शिविर :- आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा सरदार भगत सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में रविवार २५-०९-१६ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें कुल ३७ लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया ।

(९) विजय दशमी पर्व :- मंगलवार दिनांक ११-१०-२०१६ को प्रातः १० बजे से विजय दशमी पर्व पूर्व प्रधान श्री श्रीराम आर्य की अध्यक्षता में मनाया गया । पं० आत्मानन्द जी शास्त्री, पं० देवनारायणजी तिवारी, श्री मनीरामजी ने अपने विचार प्रस्तुत किये ।

(१०) दुर्गापूजा पर वैदिक साहित्य प्रचार एवं प्याऊ व्यवस्था :- आर्य समाज कलकत्ता (युवा शाखा) द्वारा दुर्गा पूजा के अवसर पर आर्यसमाज कलकत्ता के भवन के समक्ष वैदिक साहित्य प्रचार हेतु स्टॉल एवं साथ ही साथ प्याऊ का भी स्टॉल लगाया गया, जिसमें शुद्ध पेय जल का वितरण किया गया । अच्छी संख्या में पूजा भ्रमणार्थियों ने वैदिक साहित्य क्रय किया ।

(११) दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस :- दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस दिनांक १८-१०-१६ को मनाया गया।

(१२) वातानुकूलित संस्कार कक्ष का उद्घाटन :- आर्य समाज कलकतत्ता के भवन के द्वितीय तल पर अवस्थित संस्कार कक्ष का निर्माण श्री बद्री प्रसाद पोद्दार जी ने अपनी माता सुवा देवी पोद्दार के स्मृति में करवाया था । वर्तमान समय की ध्यान में रखते हुए इस हॉल को वातानुकूलित करवाने की आवश्यकता थी, जिसे श्री बद्री प्रसाद पोद्दार जी के पुत्रों ने आर्थिक सहयोग देकर पूर्ण किया। इस वातानुकूलित संस्कार कक्ष का उद्घाटन श्री अशोक पोद्दार एवं श्री पवन पोद्दार जी के करकमलों द्वारा रविवार दिनांक १३-११-१६ को किया गया।

(१३) आर्यसमाज कलकत्ता का १३१ वाँ वार्षिकोत्सव :- आर्यसमाज कलकत्ता का १३१ वां वार्षिकोत्सव शनिवार दिनांक २४-१२-२०१६ से रविवार दिनांक ०१-०१-२०१७ पर्यन्त ''ऋषिकेश पार्क'' में समारोह पूर्वक मनाने का आयोजन किया गया । इस अवसर पर आचार्य शिवदत्त पाण्डेय के ब्रह्मत्व में अथर्ववेद यज्ञ संपन्न हुआ । शनिवार दिनांक २४-१२-२०१६ को दोपहर २-०० बजे से सायं ५:०० बजे तक एक विशाल एवं सुसजजित शोभायात्रा आर्य समाज कलकत्ता से निकाली गयी

जो विभिन्न मार्गों सो होती हुयी समारोह स्थल ''ऋषिकेश'' पार्क में समाप्त हुयी । कलाकार स्ट्रीट पहुँचने पर शोभायात्रा का माला द्वारा भव्य स्वागत एवं पेयजल, शर्बत की व्यवस्था समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री शीतल प्रसाद जी के प्रेरणा से विश्व हिंदू परिषद द्वारा की गई । विश्व हिंदू परिषद को हार्दिक धन्यवाद।''सत्यनारायण पार्क के पास शोभायात्रा का स्वागत संतरे वितरण के साथ आर्य समाज बड़ाबाजार द्वारा की गई । आर्य समाज बड़ाबाजार को हार्दिक धन्यवाद । शोभायात्रा के पहुँचने के पश्चात पार्क में आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा बहुत ही सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । उत्सव पर यज्ञ, भजन व प्रवचन के अतिरिक्त बालक सत्संग, राष्ट्ररक्षा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस, आर्य संस्कृति सम्मेलन, वेद सम्मेलन तथा शंका समाधान का विशेष रूप से आयोजन हुआ। प्रत्येक दिन प्रातः १०:३० से१२:०० बजे एवं अपराह्न ३ बजे से ५ बजे तक बंगभाषा में कार्यक्रम हुआ, जिसमें बंगाल के वैदिक विद्वानों के अतिरिक्त गुरुकुल के ब्रह्मचारी एवं ब्रह्मचारिणियों के भी कार्यक्रम हुए । १ जनवरी २०१७ को अपराह्न १-३० बजे से आयोजित ऋषि लंगर में हजारों लोगों ने अंश ग्रहण किया । इस अवसर पर लिलुआ गेडिया गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।

(१४) निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर :- युवा शाखा द्वारा आयोजित ३०वाँ निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर रविवार दिनांक १५-०१-२०१७ को सम्पन्न हुआ । जिसमें कुल ३५ असहाय, निराश्रित एवं निर्धन व्यक्तियों के मोतियाविन्द का आपरेशन नगर की सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन डा० रजनी सर्राफ एवं उनकी मेडिकल टीम के सान्निध्य में उनके चेम्बर ४वीं लिटिल रसल स्ट्रीट में सम्पन्न हुआ ।

(१५) गंगासागर मेले में वेद प्रचार :- गंगासागर मेले में देश के विभिन्न भागों से आए हुए तीर्थ यात्रियों के बीच में कोलकाता के बाबूघाट पर स्थित आउटराम घाट पर दिनांक १० जनवरी से १७ जनवरी २०१७ तक प्रचार का कार्य हुआ ।

(१६) पुस्तक मेले में प्रचार :- बंगाल में वैदिक साहित्य का प्रचार करने हेतु कोलकाता शहर में आयोजित (४१वाँ) अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला में कई वर्षों के अन्तराल के बाद दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल एवं बड़ाबाजार के प्रयासों से वैदिक साहित्य का स्टॉल (नं० ३४५) दिनांक २५-०१-१७ से ०५-०२-१७ तक लगाया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री अरविन्द सेठ, श्री वीरेश कुमार आर्य का विशेष योगदान रहा ।

(१७) बसन्तोत्सव :- रविवार १ फरवरी २०१७ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में सत्संग के उपरान्त बसन्त पंचमी का उत्सव मनाया गया ।

(१८) महर्षि महिमा पर्व :- आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज हावड़ा एवं भवानीपुर स्त्री आर्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में आर्य समाज बड़ाबाजर के संयोजकत्व में महर्षि महिमा पर्व का आयोजन महर्षि जन्म दिवस से महर्षि बोधोत्सव २१ फरवरी से २६ फरवरी २०१७ पर्यन्त आर्य समाज कलकत्ता एवं आर्य समाज बड़ाबाजार के सभागार में उत्साहपूर्वक मनाया

गया । जिसमें यज्ञ, भजन व प्रवचन का आयोजन हुआ । आर्य विद्वान् स्वामी आर्यवेश जी महर्षि दयानन्द सरस्वती के बहुआयामी व्यक्तित्व तथा समाज एवं राष्ट्र के प्रति किये गये कार्यों का उल्लेख किया।

(१९) ऋषि जन्मोत्सव :- फाल्गुन कृष्ण दशमी, २१ फरवरी २०१७ को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का जन्म दिवस सायं ६ बजे से ९ बजे तक मनाया गया । इस अवसर पर यज्ञ के उपरान्त श्री श्यामानन्द जी ने भजन प्रस्तुत किया तथा स्वामी आर्यवेश जी ने महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन एवं उनके अवदानों पर प्रकाश डाला ।

(२०) ऋषि बोधोत्सव :- फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी २४ फरवरी २०१७ को सायं ४.३० बजे से हृषिकेश पार्क में ऋषि बोध पर्व मनाया गया। इस अवसर पर कलकत्ता एवं हावड़ा के करीब ५० परिवारों ने अपने-अपने यज्ञ कुण्ड के साथ उपस्थित होकर बहुकुण्डीय पारिवारिक यज्ञ सम्पन्न किया । यज्ञ पं० राहुलदेवजी, पं० आत्मानन्द शास्त्री, पं० कृष्णदेव मिश्र, पं० अर्चना शास्त्री, पं० योगेशराज उपाध्याय एवं पं० देवव्रत तिवारी जी द्वारा सम्पन्न कराया गया ।ब्रह्मचारी श्री श्यामानन्द जी द्वारा भजन तथा स्वामीआर्यवेश जी, पं० देवव्रत तिवारी जी, पं० राहुलदेव शास्त्री, श्री मनीराम जी, पं० वेदभानुजी, पं० आत्मानन्द शास्त्री ने महर्षि दयानन्द के अवदानों का देश व समाज पर पड़े प्रभाव पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया पं० योगेशराज उपाध्याय ने । कार्यक्रम के समापन पर प्रीतिभोज का भी आयोजन था।

(२१) होलिकोत्सव :- होलिकोत्सव १२ मार्च २०१७ रविवार को आर्य समाज मन्दिर में बसन्तीय नवसस्येष्टि यज्ञ के साथ मनाया गया ।

(२२) शुद्धि, तिलक एवं विवाह संस्कार :- इस वर्ष आर्य समाज मन्दिर में हमारे योग्य पुरोहितों द्वारा ११ शुद्धि संस्कार, ३ तिलक, ४० विवाह संस्कार एवं २ प्रीतिभोज, १ अन्नप्राशन संस्कार, ३९ शांति यज्ञ एवं २ उपनयन संस्कार सम्पन्न कराये गये।

शोक-प्रस्ताव

(अप्रैल २०१६ से मार्च २०१७ तक)

१. श्री सुरेन्द्र कुमार अरोड़ा ।
२. श्री सुखदेव शर्मा ।
३. श्रीमती कमला आडवाणी ।
४. श्री जुगुल किशोर जैथलिया ।
५. श्री ओमप्रकाश घीया ।
६. श्री राजेन्द्र स्वरूप अग्रवाल ।
७. श्री ओम प्रकाश अग्रहरी ।
८. श्री शम्भूनाथ जायसवाल ।
९. श्रीमती महास्वेता देवी ।
१०. श्रीमती राम दुलारी जायसवाल ।
११. श्री वीरेन्द्र गुप्ता ।
१२. श्रीमती शशी आर्या ।
१३. डॉ० धर्मवीरजी (अजमेर) ।
१४. श्रीमती सत्यवती देवी ।
१५. श्री राधेश्याम जायसवाल ।
१६. श्रीमती शान्तीदेवी जायसवाल ।
१७. श्री सुरेश गुप्ता ।
१८. श्री यतीन्द्र कुमार आर्य ।

स्थिर निधियाँ

बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा, कोलकाता-६

विद्यार्थी सहायता, महिला सहायता, अतिथि सत्कार, वार्षिकोत्सव और वैदिक विद्वानों आदि के सहायतार्थ निम्न दानीदाताओं से दान स्वरूप आर्य समाज कलकत्ता को सहयोग मिला जिसके ब्याज से प्रति वर्ष सहायता की जाती है।

(१) वैदिक प्रचारक सहायता कोष:

	रु०
१. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-
२. स्व० देवी प्रसाद मस्करा	११,०००/-
३. श्रीमती शान्ति देवी जायसवाल	५,०००/-
४. श्रीमती एवं श्री रामधनी जायसवाल	५,१००/-
५. श्रीमती वेदवती शास्त्री एवं श्री कुशलदेव शास्त्री	१००,०००/-
	३,२१,१००/-

(२) प्रकाशन कोष:-

समाज में नई पुस्तकों की छपाई आदि के लिए आर्य समाज कलकत्ता ने २,७५,५००/- का स्थिर निधि करवाया है जिसके ब्याज की राशि से प्रकाशन का कार्य चल रहा है। निम्न दानी दाताओं का सहयोग है।

आर्य समाज कलकत्ता	२,५०,०००/-
श्रीमती रामदेवी गुप्त	१०,५००/-
श्री रमेशचन्द गुप्त	५०००/-
मास्टर करण गुप्त	५०००/-
मास्टर सिद्धार्थ गुप्त	५०००/-
	२,७५,५००/-

(३) दयानन्द धर्मार्थ औषधालय कोष:-

निम्न दानी दाताओं ने अपना सहयोग देकर औषधालय को सुचारू रूप से चलाने का व्रत लिया है। जिसके ब्याज से होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, नेत्र परीक्षण, आदि चल रहे हैं।

१. श्रीमती शान्ति प्रसाद	५,०००/-
२. श्रीमती हौसला देवी तिवारी	२०,०००/-
३. श्री सत्यदेव चोपड़ा/श्रीमती विजय चोपड़ा	५,०००/-
४. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१५,०००/-
५. श्री के० सी० सिंह	२,५००/-
६. श्री छबील दास सैनी	५,०००/-
७. श्री विजय कुमार सैनी	१०,०००/-
८. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	१०,०००/-
९. श्रीमती कमला अरोड़ा	५,०००/-
१०. श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता	५,१००/-
११. श्री दीपक गोयल	५,०००/-
१२. आर्य समाज कलकत्ता	१५,१००/-
१३. श्री आशा राम जायसवाल	१०,०००/-
१४. सुरजमल घीया HUF	५,१००/-
१५. श्रीमती जानकी देवी झा	५,०००/-
१६. श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
कुल योग	१,२७,८००/-

(४) गौरक्षा एवं गौसंवर्धन हेतु दान स्थिर निधि के लिए जिसके ब्याज से गोशाला एवं गुरुकुल के बच्चों के सहायता के लिए प्राप्त हुआ है।

१. श्री सतीश चन्द जायसवाल	५०००/-
२. श्री बजरंगलाल, श्रीमती विजय लक्ष्मी अग्रवाल	५०००/-
३. श्रीमती उमा एवं महावीर प्रसाद गोयल	५१००/-
४. श्रीमती शान्ति देवी एवं श्री दीनदयाल गुप्ता	५०००/-
५. श्रीमती कमलादेवी एवं श्रीकमला प्र०जायसवाल	५१००/-
६. श्रीमती निधि एवं श्री योगेन्द्र दमानी	५०००/-
७. श्रीमती राजू देवी, श्री श्याम अवतार शर्मा	५१००/-
८. श्री कमला प्रसाद जायसवाल	५१००/-
९. ब्रह्मर्षि स्वामी ओमानन्द सरस्वती	५०००/-
१०. श्री मोती लाल साव	५०००/-
११. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल	५०००/-
१२. श्री प्रमोद जायसवाल	५०००/-
१३. श्रीमता चमेली देवी जायसवाल द्वारा स्व०रामवहाल जायसवाल की पुण्य स्मृति म	११,००१/-
१४. श्रीमती सुनीता अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल	५,०००/-
	७६,४०१/-

(५) पं० रमाकान्त उपाध्याय स्मृति कोष –

श्री हरनारायण तापड़िया द्वारा ६०,०००/- का स्थिर निधि किया गया है जिसके व्याज से आर्य कन्या महाविद्यालय, रघुमल आर्य विद्यालय एवं पं० रमाकान्त उपाध्याय के ग्राम या जिले में माध्यमिक या उच्च माध्यमिक परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र/छात्रा को १०००/- प्रति छात्र/छात्रा कुल ५०००/- प्रति वर्ष दिया जा रहा है।

(६) वेद वेदांग पुरस्कार :-

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल ५१,०००/-

(७) बाल पुरस्कार :-

श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल २१,०००/-

(८) स्वास्थ्य एवं जनकल्याण कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग हुआ है। सब राशि को मिलाकर एक स्थिर निधि बनवायी गयी है।

१. आर्य समाज कलकत्ता	६०,०००/-
२. श्री बद्री प्रसाद पोद्दार	५०,०००/-
३. श्री रामसुन्दर जायसवाल	६,०००/-
४. श्री रूपेश कुमार जायसवाल	२,५००/-
	१,१८,५००/-

(९) विद्यार्थी सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर १,५०,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से जरूरतमद विद्यार्थियों को सहायता दी जाती है।

१. श्री नन्दलाल सेठ	५,०००/-
२. श्री सीताराम आर्य	२१,०००/-
३. श्रीमती पुष्पा देवी मल्होत्रा	५,०००/-
४. श्रीमती गंगा देवी जायसवाल	५,०००/-
५. श्री जगन्नाथ कोले	१५,०००/-
६. श्री बनारसीदास अरोड़ा	५,०००/-
७. श्रीमती मायादेवी	५,०००/-
८. श्री राजाराम धनपति देवी जायसवाल	१०,०००/-
९. श्री मेवालाल सुरेशचन्द	१०,०००/-
१०. श्री रूलिया राम गुप्त	११,०००/-
११. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह	५,०००/-
१२. श्रीमती सुनीति देवी शर्मा	५,०००/-
१३. श्रीमती विद्यावती सभरवाल	१५,०००/-
१४. श्रीमती विद्यावती नन्दगोपाल दत्त	१२,०००/-
१५. श्री शिवनन्दन प्रसाद	५,०००/-
१६. श्रीमती सावित्री देवी जायसवाल	५,०००/-
१७. श्रीमती सावित्री देवी अरोडा	५,०००/-
१८. श्री सत्यनारायण गुलाबी देवी लाहोटी	५,०००/-
१९. आर्य समाज कलकत्ता	१,०००/-
	१,५०,०००/-

(१०) गुरुकुल सहायता कोष :-

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर २,३६,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से गुरुकुलों को सहायता दी जाती है।

(१) श्री शान्तिस्वरूप गुप्ता	११,०००/-
(२) श्री सीताराम आर्य एवं केवलादेवी आर्य	१०,०००/-
(३) श्री के० सी० सिंह	५,०००/-
(४) श्री मेवालाल पार्वती देवी जायसवाल	१०,०००/-
(५) श्री ब्रिजमोहन ओवेराय	५,०००/-
(६) आर्य समाज कलकत्ता	१,९५,०००/-
(७) श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	२,४१,०००/-

(११) वेद प्रचार कोष :-

इस कोष में निम्न दाताओं का सहयोग रहा।

१. श्री शिवनन्दन प्रसाद	१०,०००/-
२. श्री लब्बू राम सोदपुर	१,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	२,००,०००/-

४. स्व० माता ओमवती अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके परिवार के सज्जनों ने दान देकर की स्थिर निधि बनवायी। जो **इलाहाबाद बैंक** शाखा **कालेज स्ट्रीट** में है। १,००,०००/-

५. श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	३,१६,०००/-

(१२) हवन यज्ञ कोष :-

१. श्रीमती कमला देवी आर्या	११,०००/-
२. श्री मोतीलाल जायसवाल एवं श्रीमती चटूराजी देवी	१०,०००/-
३. श्री अच्छेलाल सेठ	१५,०००/-
४. श्री विजय कुमार सेठ	१५,०००/-
५. श्री अजय सेठ	१०,०००/-
६. श्री विकास सेठ	११,०००/-
७. श्री फूलचन्द जी आर्य	२५,०००/-
८. श्रीमती रामदुलारी जायसवाल	५,०००/-
९. श्रीमती गुलाबी देवी लाहोटी	१,७१,०००/-
१० श्री प्रणव भट्टाचार्य	५,०००/-
	२,७८,०००/-

(१२) जल पेय कोष :-

श्री रमेश दम्मानी ने प्याऊ को सुचारु रूप से चलाने के लिए ५०००/- की स्थिर निधि करवाया है।

(१४) अतिथि सत्कार कोष :-

समाज में आने वाले अतिथियों के सत्कार के लिए निम्न दाताओं द्वारा सहयोग राशि प्राप्त हुआ है कुल मिलाकर ३२,०००/ रु०की स्थिर निधि बनवायी गयी है ।

१. श्रीमती सुखा देवी जायसवाल द्वारा श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल	२१,०००/-
२. श्रीमती कमला अरोड़ा	६,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	५,०००/-
	३२,०००/-

(१५) वार्षिकोत्सव कोष :-

वार्षिकोत्सव के खर्च के लिए निम्न दाताओं ने सहयोग दिया जिससे कुल मिलाकर १,५०,०००/- रु० की स्थिर निधि बनवायी गयी ।

१. श्रीमती सरोज आहुजा	१०,०००/-
२. श्री बनारसी दास अरोड़ा	१०,०००/-
३. आर्य समाज कलकत्ता	१०,०००/-
४. श्रीमती शकुन्तला अरोड़ा	५,०००/-
५. श्री जय सिंह कर्षन	५,०००/-
६. श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी	५,०००/-
७. श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल पत्नी-स्व० रामयश जायसवाल	५,०००/-
८. श्रीमती मधु अग्रवाल एवं श्री प्रशान्त अग्रवाल	१,००,०००/-
	१,५०,०००/-

(१६) महिला कल्याण कोष :-

महिलाओं की सहायता के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ है । सब राशि को मिलाकर १,६६,१००/- रु० की स्थिर निधि बनाई गई है ।

१. श्रीमती केवलवती संसल	१,००,०००/-
२. आर्य समाज कलकत्ता	५०,०००/-
३. श्री ईश्वरचन्द्र आर्य	११,०००/-
४. श्रीमती महारानी जायसवाल	५,१००/-
५. श्रीमती गोमती देवी अग्रवाल	१००,०००/-
६. श्री मनीराम आर्य	२१,०००/-
	२,८७,१००/-

इलाहाबाद बैंक

१. **आर्य स्त्री समाज** के नाम पर सदस्याओं द्वारा प्राप्त राशि और इससे प्राप्त ब्याज की राशि से २,४०,०००/- की स्थिर निधि बनवायी गयी । जो वर्ष २०१७ सितम्बर तक का ब्याज जोड़कर ३,१३,९१२/- होगा।

२. **वार्षिकोत्सव**
श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल द्वारा ५०००/-

३. कविरात अमृत नारायण झा के लिए १०,०००/- का स्थिर निधि करवाया गया है ।

४. स्व० श्रीमती गुलाबी देवी लाहौटी की स्मृति में ३४,१००) की स्थिर निधि यज्ञ में केशर डालने के लिए किया गया है ।

५. गुरुकुल सहयोग के लिए श्री मोतीलाल साव, श्रीमती जदुराजी देवी साव द्वारा १०,०००/- की स्थिर निधि कराई गई ।

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants

॥ ओ३म् ॥

33/1, NETAJI SBHAS ROAD
Marshall House, Suite No. 637/638
Kolkata - 700 001
(Off.) : 2230 5947
(Mob.): 98310 18384

FORM NO. 10B
(See Rule 17B)

AUDIT REPORT UNDER SECTION 12A (b) OF THE INCOME TAX ACT-1961 IN THE CASE OF CHARITABLE OR RELIGIOUS TRUST OR INSTITUTION

We have examined the Balance Sheet of **ARYA SAMAJ CALCUTTA** as at 31st March, 2017 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the Trust.

We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the above named trust visited by us so far as appears from our examination of the books, subject to the comments given below :-

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the said accounts give a true and fair view :-

1. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the above named Trust, as at 31st March, 2017 and

2. In the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus of its accounting year ending on 31st March, 2017.

The prescribed particulars are annexed hereto.

33/1, N.S. ROAD
KOLKATA - 700 001

DATE : THE 21ST DAY OF JUNE, 2017

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006
INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT
ASST. YEAR 2017-2018

Total Income/Receipts		57,62,248-00
Total Funds Applied		
Less : Expenses during the period as per		
Income and Expenditure Account	53,34,170-00	
Less : IT Refundable w/off	494-00	
Less : Depriciation	2,07,649-00	51,26,027-00
		6,36,221-00
Less : Application of Funds (Assets Purchased)		
Other utensils	16,693-00	
CCTV	60,000-00	
Air Condition Machine	9,10,000-00	
Furniture	45,060-00	
Microphones	1,500-00	
Weighing Scale	2,783-00	
Printer	8,085-00	10,44,121-00
Excess of expenditure over income (Deficet)		4,07,900-00
T A X		—
Less: T.D.S.		823-00
Refundable		823-00

ARYA SAMAJ CALCUTTA
President **Suresh Chand Jaiswal**
Secretary **Dipak Arya**
Treasurer **Dhrub Chand Jaiswal**

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2017

Liabilities		**Assets :**	
GENERAL FUND		*FIXED ASSETS*	33,66,054-35
Balance as per last year	60,03,353-53	(As per schedule No. 1)	
ADD: Excess of income over		ADVANCES AMOUNT	1,15,598-94
expenditure	4,28,078-43	(As per schedule No. 2)	
	64,31,431-96	CLOSING BALANCE	13,45,474-00
COURPUS FUND		As per schedule No. 3)	
As per last year	7,84,000-00	SUNDRY DEPOSITS	1,09,597-00
OTHER LIABILITIES		(As per schedule No.4)	
(As per schedule 6)	7,43,843-17	CASH AND BANK BALANCES	30,59,550-84
Deposits : (As per schedule 7)	37,000-00	(As per schedule No. 5)	
	79,96,275-13		79,96,275-13

ARYA SAMAJ CALCUTTA
President **Suresh Chand Jaiswal**
Secretary **Dipak Arya**
Treasurer **Dhrub Chand Jaiswal**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATE : THE 21th DAY OF JUNE, 2017

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2017

Expenditure		Income	
To Salaries	1,88,091-00		
To Retirement Provision	2,293-00	By Monthly Subscription	53,701-00
To Printing & Stationery	20,120-00		
To Telephone expenses	2,231-00		
To Building upkeep expenses	7,55,588-00		
To Postage & telegram expenses	2,819-00	By Donation	54,56,013-50
To Depreciation (As per schedule 1)	20,7649-00	(As per schedule 11)	
ToTravelling & Conveyance expenses	12,679-00		
To Miscelleaneous expenses	71,381-00		
To Dayanand dharmarth aushadhalaya	1,38,337-00		
To Vachanalaya expenses	9,429-00		
To Vaidic Sahitya Prachar	3,93,285-00		
(As per schedule 8)		By Bank Interest	2,51,748-30
To Arya Sansar publication expenses	1,07,921-00		
To Arya Gaurav Publication Exp.	40,941-00	(As per Schedule 12)	
To Student help expenses	4,649-00		
To Festival expenses	2,31,348-00		
To Atithi satkar expenses	6,236-00		
To Dashansh expenses	5,370-00		
To Atithishala expenses	1,61,687-00		
To Repairing expenses	18,127-00	By Interest an IT Refund	446-00
To Daily hawan yagna expenses	85,748-00		
To Mahila kalyan expenses	46,602-00		
To Ved prachar expenses	1,51,936-00		
To Hawan samagree expenses	12,57,024-00		
(As per schedule 9)			
To Bank charges	1149-50	By Gas Subsidy	339-63
To Water hut expenses	5800-00		
To Electric expenses	2,49,563-50		
To Annual function	7,74,358-00		
(As per schedule 10)			
To Gurukul sahayata expenses	34,800-00		
To Annual Election	11,741-00		
To Legal expenses	1,500-00		
To Accounting Charges	39,273-00		
To Bal Kalyan Exp.	18,568-00		
To Audit Fees Exp.	3,100-00		
To Desh Bhakti Geet Pratiyogita expenses	25,000-00		
To Vaidic Pracharak Sahayata	63,300-00		
To Free Eye Operation Camp	20,000-00		
To Blood Donation	5,000-00		
To Book fair expenses	41,255-00		
To Swasthya & Jankalyan Exp.	5,100-00		
To Purohit Prashikshan Sivir Exp.	1,14,577-00		
To Gaushala Exp.	2,100-00		
To Excess of income over expenditure			
being transferred to General Fund	4,28,078-43		
	57,62,248-43		57,62,248-43

ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

DETAILS OF SCHEDULES TO FINANCIAL YEAR 2016-2017

SCHEDULE -1 FIXED ASSETS AND DEPRECIATION

ASSETS	RATES IN %	BALANCES AS ON 01.04.16	ADDITION	TOTAL	DEDUCTIONS	DEPRECIATION DURING THE YR	BALANCE AS ON 31.03.17
Building of							
Arya Samaj Mandir	–	21,34,634.85	–	21,34,634.85	–	–	21,34,634.85
Silver utensils	–	930.29	–	930.29	–	–	930.29
Other utensils	–	26,761.21	16,693.00	43,454.21	–	–	43,454.21
		21,62,326.35	**16,693.00**	**21,79,019.35**	–	–	**21,79,019.35**
Lift	15.00	3,12,559.00	–	3,12,559.00	–	46,884.00	2,65,675.00
CCTV	15.00	–	60,000.00	60,000.00	–	9,000.00	51,000.00
Air Condition Machine	15.00	–	9,10,000.00	9,10,000.00	–	1,36,500.00	7,73,500.00
		3,12,559.00	**9,70,000.00**	**12,82,559.00**	–	**1,92,384.00**	**10,90,175.00**
Furniture	10.00	973.00	45,060.00	46,033.00	–	4,603.00	41,430.00
Microphones	10.00	21,107-00	1,500.00	22,607-00	–	2,186-00	20,421-00
			(less than 180 days)				
Typewriter	10-00	263-00	–	263-00	–	–	263-00
Tape recorder	10.00	47.00	–	47.00	–	–	47.00
Amplifier	10.00	87.00	–	87.00	–	–	87.00
Fans	10.00	2,523.00	–	2,523.00	–	252.00	2,271.00
Steel Almirah	10.00	716.00	–	716.00	–	72.00	644.00
Grinding Machine	10.00	19,218.00	–	19,218.00	–	1,922.00	17,296.00
Aquaguard	10.00	5,043.00	–	5,043.00	–	504.00	4,539.00
Weighing Scale	10.00	–	2,783.00	2,783.00	–	278.00	2,505.00
Weighing Machine	10.00	4,411.00	–	4,411.00	–	441.00	3,970.00
		54,388.00	**49,343.00**	**1,03,731.00**	–	**10,258.00**	**93,473.00**
DVD Writer	60.00	49.00	–	49.00	–	–	49.00
Printer & Compu.	60.00	260.00	8,085-00	8,345.00	–	5,007.00	3,338.00
		309.00	**8,085.00**	**8,394.00**	–	**5,007.00**	**3,387.00**
Total		**25,29,582-35**	**10,44,121.00**	**35,73,703-35**	–	**2,07,649-00**	**33,66,054-35**

SCHEDULE NO. 2

Advance to staff

Shri Suresh Singh	4,063-00
Sri Bhunesh Singh	8,193-00
Sri Dhanesh Jha	1,800-00
	14,056-00

OTHERS

Titagarh Arya Vidyalaya	10,000-00
Shri Ranjit Kumar Jha	25,250-00
TDS (AY 2017-18)	823-00
Chunchun Mahto	3,500-00
Delhi Arya Pratinidhi Sabha	6,361-00
Shri Rajendra Kumar, Bareily	29,213-00
Arya Kanya Mahavidyalaya	10,750-00
Shri Vikash Gupta	1,200-00
M/s Tracto Diesel	1,100-00
Shri Amit Majumdar	257-00
Pending Maturity Proceeds of FD- OBC	5,704-00
Outstanding Interest from CESC Ltd.	7,384-94
	1,15,598-94

SCHEDULE NO. 3 CLOSING STOCK

Books	12,07,842-00
Hawan Samagree	1,34,800-00
Samidha	2,034-00
Hawankund	798-00
	13,45,474-00

SCHEDULE NO.4 SUNDRY DEPOSITS

CESC Ltd. Security	1,01,397-00
Kalkata Municipal Corporation	2,550-00
Calcutta Telephons	3,000-00
Bharat Gas	2,650-00
	1,09,597-00

SCHEDULE NO.5 Cash & Bank Balances

ALLAHABAD BANK

College Street Market Branch	
Fixed Deposit	5,69,826-00
Saving Bank	6,804-64
A/c 50021426498	
Current Account	
A/c. No. 20809463927	20,972-83
Provident Fund Account	14,922-37

Bank of Baroda

Fixed Deposit	23,92,788-00
Saving Bank	48,359-80
A/c No. 00250100008996	
MICR Code-700012011	
College Street Branch	
Cheque in hand	5,000-00
Cash in Hand	877-20
	30,59,550-84

SCHEDULE NO. 6

Other Liabilities

V. D. Garg & Co.	3,100-00
Dutta Concern	2,37,800-00
CESC Limited	20,740-00
Arya Yuwa Shakha	28,372-00
Retirement provision	25,949-37
Arya Stree Samaj Cal.	3,00,397-00
Arya Pratinidhi Sabha	24,142-80
Udgeeth Nirman Pvt. Ltd.	21,857-00
Shree Shyam Enterprise	12,149-00
Basant Traders	17,318-00
Mukherjee & Co.	30,043-00
Mark Advertising	5,040-00
Pal Electric	6,000-00
Shri Krishna Decorators	9,000-00
Parmeshwar Das	1,935-00
	7,43,843-17

SCHEDULE NO. 7-DEPOSITS

Security deposit	37,000-00

SCHEDULE NO 8 VAIDIC SAHITYA PRACHAR

Opening Balance	13,30,942-00
ADD : Purchased	2,70,185-00
: Prakashan Exp.	Nil
	16,01,127-00
Less: Closing Stock	12,07,842-00
	3,93,285-00

SCHEDULE NO 9-HAWAN SAMAGREE EXP.

Opening Balance	1,32,526-00
ADD : Purchased	12,62,130-00
Total.	13,94,656-00
Less: Closing Stock	1,37,632-00
	12,57,024-00

SCHEDULE NO.10-Annual function exp.

Electric exp.	42,250-00
Postage exp.	851-00
Misc. exp.	17,899-00
Pntg. & Stationery	14,462-00
Travelling & Conveyance	27,509-00
Shobha Yatra exp.	70,800-00
Hawan exp.	84,945-00
Food & refreshment	2,88,488-00
Dakshina exp.	1,08,840-00
Advertisement exp.	17,566-00
Pandal exp	92,000-00
Mahila Sammelan	600-00
Bal Kalyan	8,148-00
	7,74,358-00

SCHEDULE NO-11 DONATIONS

General Donation	22,04,986-00
Dayanand Dharmarth Aushdhalaya	8,670-50
Atithishala	5,85,875-00
Annual Function	7,66,759-00
Shrawani Parv	78,169-00
Vedic Sahitya Prachar	4,51,687-00
Hawan Yagya	13,54,467-00
Arya Sansar	4,300-002
2Arya Gaurav	1,100-00
	54,56,013-50

SCHEDULE NO-12 BANK INTEREST

Intt. On CESC deposit	8,205-94
Vaidic Pracharak Sahayata	27,247-00
Student Help	13,576-00
Atithi Satkar	2,896-00
Swasthya & Jankalyan	10,724-00
Ved Prachar	26,962-00
Mahila kalyan	27,288-00
Dharmarth Aushadhyalaya	11,334-00
Annual Function	13,566-00
Prakashan	24,932-00
Daily Hawan	28,433-00
Gurukul Sahayata	22,354-00
Saving bank	20,121-36
Water hut	452-00
Ved Vedang	5,952-00
Bal Puraskar	2,453-00
Pt. R. K. Upadhya Smrtikosh	5,252-00
	2,51,748-30

ARYA SAMAJ CALCUTTA

President **Suresh Chand Jaiswal**

Secretary **Dipak Arya**

Treasurer **Dhrub Chand Jaiswal**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATED : THE 21st. DAY OF JUNE, 2017

आनुमानिक आय-व्यय बजट (वर्ष २०१७-२०१८)

खाता	आनुमानिक आय	आनुमानिक व्यय
	रु०	रु०
मासिक चन्दा	50,000	-------
दयानन्द धर्मार्थ औषधालय	18,000	1,40,000
वैदिक साहित्य प्रचार	1,80,000	1,50,000
हवन यज्ञ	14,00,000	13,00,000
बाल कल्याण	8,000	30,000
विद्यार्थी सहायता	14,000	15,000
आर्य संसार	5,000	1,10,000
आर्य गौरव	3,000	40,000
अतिथि शाला	6,00,000	1,00,000
पर्व खाते	1,00,000	2,50,000
प्रकाशन	25,000	50,000
वार्षिकोत्सव	8,00,000	8,00,000
वेद प्रचार	25,000	1,00,000
वेतन	——	2,00,000
बिजली	——	2,50,000
भवन प्रबन्ध, मरम्मत एवं रंगाई खर्च	------	4,00,000
टेलीफोन	——	5,000
मार्ग व्यय	——	10,000
स्टेशनरी एवं छपाई	——	20,000
फुटकर खर्च	——	50,000
डाक खर्च	——	3,000
दैनिक यज्ञ	——	1,00,000
अतिथि सत्कार	3,000	8,000
वाचनालय	——	9,000
गुरुकुल सहायता	22,000	40,000
बैंक खर्च	——	1,000
वैदिक प्रचारक सहायता	28,000	65,000
महिला कल्याण	25,000	50,000
स्वास्थ्य एवं जनकल्याण	10,000	35,000
जनरल दान	10,00,000	——
नेत्र शिविर	——	20,000
बाढ़ एवं प्राकृतिक विपदा सहायता	——	10,000
कानूनी सहायता	——	1,500
दशांश	——	5,500
अडिट फीस	——	3,100
साधारण सभा	——	12,000
पुरोहित प्रशिक्षण शिविर	——	1,20,000
कुल योग	**43,16,000**	**45,03,100**
न्यूनता–	**1,87,100**	
(न्यूनता जो दान द्वारा पूरा करना होगा।)	**45,03,100**	

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

COMPUTATION OF TOTAL INCOME FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2017

Receipts			
INCOME FROM HOUSE PROPERTY			
Rent	36,780-00		
Less : Corporation Tax		36,780-00	
Less : 30% thereof		11,034-00	25,746.00
INCOME FROM OTHER SOURCE			
Interest		1,26,198-00	
Less : Administrative Expenses			
Printing & Stationery	55-00		
Accounting charges	8,000-00		
Conveyance	115-00		
Audit Fee	1,500-00		
Bank Charge	200-00		
Legal Exp	2,000-00	11,870-00	1,14,328-00
			1,40,074-00
Less : Not Exceeding15% thereof set appart			21,011-00
		Income Derived	1,19,063-00
Less : Charity & Donation as per I & E A/c		1,25,400-00	
Less: Deemed to be utilised for Asst. Year 2016-17		70,464-00	54,936-00
Oplian Exercise to be utilised in subsequent year relating to Asst. year 2016-17	64,127-00		
	64,127-00		**64,127-00**
Income tax there on		NIL	
Less : TDS on FD		934-00	
REFUNDABLE		934-00	

For Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Shriram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

FORM NO.10B (SEE RULE 17 B)

Audit Report under section 12 A (b) of the Income-Tax Act, 1961, in the case of charitable or religious trusts or institutions

*I/We have examined the balance sheet of ARYA MAHILA SIKSHA MANDAL TRUST [name of the trust or institution] as at 31st March 2017 and the profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said Trust.

*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of *my/our knowledge and behalf were necessary for the purpose of the audit. In *my/our openion, proper books of account have been kept by the above named *trust/intitution visited by *me/us so far as appears from examination of the books of accounts.

In our openion and to the best of information, and according to information given to *me/us the said accounts give a true and fair view :

(i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the abovenamed *trust/institution as at 31st March 2017 and

(ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31st March 2017

For MADANLAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
P. K. Agarwal, Proprietor Mem. No. 055900

Kolkata - 700 001
Date : The 19th. day of June 2017

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2017

Liabilities		Net Amount	Assets		Net Amount
Cropus Fund Accont :			**Fixed Assets**		
			Building		2,00,000-00
As per last Balance Sheet		4,50,000-00	Current Assets		
TRUST FUND ACCOUNTS :			**Cash & bank balances**		
Balance as per last A/c	12,30,421-27		Cash in Hand (As Certified)	7,142-40	
Add : Excess of Income			Allahahad Bank		
over expenditure Account	25,708-00	12,56,129-27	(Saving Account)	1,99,721-87	2,06,864-27
Ear market Fund :			Allahabad Bank F/D		13,00,000-00
Late Swarna Lata Khanna	5,000-00		Deposit with Rent Control		954-00
Chairanjilal Bahari Memorial					
fund	5,000-00	10,000-00	TDS		
Current Liabilites & Provisions			Asst. Yr. 2007-08	3,228-00	
			Asst. Yr. 2008-09	4,358-00	
Madanlal & Associates		1500-00	Asst. Yr. 2010-11	306-00	
Audit year			Asst. Yr. 2011-12	985-00	
			Asst. Yr. 2017-18	934-00	9,811-00
		17,17,629-27			17,17,629-27

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
(P.K. Agarwal)
Proprietor

Kolkata

Dated the 19th day of June 2017 Memo No. 055900

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

Sd/- **Sree Ram Arya** *President*

Sd/- **Achchhelal Seth** *Secretary*

Sd/- **Deepak Arya** *Treasurer*

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2017

Expenditure	Net Amount	Income		Net Amount
CharityExp.	1,25,400-00			
Printing & Stationery	55-00	By Rent		36,780-00
Acounting charges	8,000-00			
Legal Expenses	2,000-00	Interest		
Conveyance	115-00	Int. on Bank FD	1,17,656-00	
Audit fees	1,500-00	From Bank on Saving Bank	8,542-00	1,26,198-00
Bank Charges	200-00			
Surplus : Income Over Expenditure				
Transferred to Trust Fund A/c	25,708-00			
	1,62,978-00			1,62,978-00

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

President : **Sreeram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
(P.K. Agarwal)
Proprietor

Memo No. 055900

Kolkata

Dated the 19th day of June, 2017

Arya Mahila Siksha Mandal Trust

Sd/- **Sree Ram Arya** *President*

Sd/- **Achchhelal Seth** *Secretary*

Sd/- **Deepak Arya** *Treasurer*

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2017

Liabilities		Net Amount	Assets		Net Amount
General Fund:			**Steel Almirah**		
As per last year	2,34,559-29		As per last year	3,453-00	
Add: Surplus	2,857-62	2,37,416-91	Less : Depreciation @ 10%	345-00	3,108-00
Current Libities			**Furniture**		
Audit fees		1,100-00	As per last year	548-00	
Ritesh Chandra Jha		15,000-00	Less : Depreciation @ 15%	82-00	466-00
			Fixed Deposit		
			Syndicate Bank with Accrued Intt		2,22,389-24
			TDS Asst. year 2017-18		1853-37
			Cash At Bank		
			Syndicate Bank		21,436-05
			Burrabazar Branch, Kolkata		
			S.B. A/c No. 95052010003230		
			Cash in Hand		4,264-25
		2,53,516-91			2,53,516-91

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	Trustee	Trustee
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2017

Expenditure		Net Amount	Income	Net Amount
To Printing & Stationery		20-00	By S. B. Interest	1,412-99
To Conveyance		455-00	By F.D. Interest	18,533-63
To Acounting charges		5,000-00		
To Prakasion Exp.		11,450-00	Donation	2,113-00
To Depreciation :				
Almirah	345-00			
Furniture	82-00	427-00		
To Legal Expenses		750-00		
To Audit fees		1,100-00		
Surplus during the year		2,857-62		
		22,059-62		22,059-62

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	Trustee	Trustee
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

33/1, N. S. Road
Kolkata - 700 001

For V. D. Gurg & Co.
Chartered Accountants
(Vishamber Dayal
Proprietor
Memo No.050131

Dated the 22nd day of June, 2017

Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

Asst. Year 2017-2018

Total Income/Receipts			22,060-00
Total Funds Applied :			
Less : Expenses during the period as per			
income & Expenditure account	19,202-00		
Less : Depreciation disallowed	427-00		18,775-00
Surplus accumulation			3,285-00
Less : Exempted upto 15% of Total Income	3,309-00	Restricted to	3,285-00
	Surplus :		Nil
	TAX		Nil

For Vaidik Anusandhan Trust

Trustee	*Trustee*	*Trustee*
Shreeram Arya	**Deepak Arya**	**Rajendra Prasad Jaiswal**

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet as at 31st March, 2016 of **VAIDIK ANUSANDHAN TRUST** and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of accounts submitted to us.

33/1, N. S. Road,

Kolkata - 700 001

Date : The 22nd day of June, 2017

For V.D. GARG & CO.

Chartered Accountants

(VISHAMBER DAYAL)
Proprietor
Mem. No. 050131

Arya Stree Samaj Calcutta

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

Income and Expenditure Account for the Year Ended 2016-2017

Expenditures		Income	
Salaries	4,500.00	General Donations	52,590.00
Adhyatamic Mahul Salary	5,000.00		
Yagya & Prasad exp.	2,501.00		
Misc. Exp.	2,178.00	Subscriptions	18,551.00
Annual function	26,716.00		
Donations	17,900.00	Bank interest	25,715.00
Accounting Charges	900.00		
Stationery Expenses	403.00		
Repairing Charges	1,200.00		
Dakshina	5,700.00		
Depriciation	770.00		
Bal Satsang	6,000-00		
Conveyance	275.00		
Surplus During the year	22,813.00		
	96,856.00		96,856.00

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2017

Liabilities		Assets	
General Fund		*Allahabad Bank FDR	3,00,397.00
Opening balance	2,95,708.50	Musical instruments	2,406.00
Add : surplus	22,813.00	Ved Sets	3,970.00
		Mike Set	1,434.00
		Chairs	3,083.00
		Cash in hand	7,231.50
	3,18,521-50		3,18,521-50

President : Smt. Sushila Damani

Secertary : Smt. Satyawati Jaiswal

Treasurer Smt. Gitarani Jaiswal

Arya Samaj CalcuttaYuwa Shakha

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

Trial Balance for the Year Ended 2016-2017

Income		Expenditures	
Desh Bhakti Geet Pratiyogita	42,550.00	Desh Bhakti Geet Pratiyogita	35,979-00
Blood Donation Camp	11,735-00	Blood Donation Camp	12,905-00
Free Eye Camp	46,855-00	Free Eye Camp	37,200-00
General fund	37,291-00	Arya Samaj Calcutta	28,372-00
		Cash in hand	23,975-00
	1,38,431-00		1,38,431-00

Income and Expenditure Account for the Year 2016-2017

Expenditures		Income	
Desh Bhakti Geet Pratiyogita	35,979-00	**Donations :**	
Blood Donation Camp	12,905-00	Desh Bhakti Geet Pratiyogita	42,550.00
Free Eye Camp	37,200-00	Blood Donation Camp	11,735-00
Surplus	15,056-00	Free Eye Camp	46,855-00
	1,01,140-00		1,01,140-00

Balance Sheet as at 31st March 2017

Liabilities		Assets	
General fund as per last	37,291-00	Fund with Arya Samaj Calcutta	28,372-00
Add : Surplus	15,056.00	Cash in hand	23,975-00
	52,347-00		52,347-00

Chairman :
Prabhakar Seth

Donations for 131st Annual Function

Names	Rs.	Names	Rs.
Anandi Lal Poddar Charitable Trust	51,000	Shri Amardeep Shaw	5,100
Arya Kanya Mahavidyalaya	28,725	Omex India Sales Pvt. Ltd	5,000
Raghumal Arya Vidyalaya	21,375	Shri Dwarka Prasad Jaiswal	5,100
Shri Chand Ratan damani	21,000	Poddar Brothers	5,000
Ramchandra Poddar Smarak Nidhi	21,000	Technical Spres	5,100
Raja Mitsu Fashion	15,001	National Tube Enterprise	5,100
Shri Lakshmi Narayan Sahu	11,000	Shri Kuldip Berry	5,000
Kashiram Earth Movers	11,000	Shri Ved Prakash Jaiswal	5,000
M.R. Khoradia Seva Nyas	11,000	Shri Pranav Bhattacharya	5,040
Udgeeth Nirman Pvt. Ltd	11,000	Shri Ramesh Agarwal	5,000
Steelex India	11,000	Smt. Sushma Agarwal	5,000
Dollor Foundation	11,000	Smt. Monika Agarwal	5,000
Smt. Sushila Damani	11,000	Master Saksham Agarwal	5,000
Abhideep Charitable Trust	10,000	Miss Sameeksha Agarwal	5,000
Shri Vijay Kumar Jaiswal	10,000	Shri Chand Ratan damani	5,000
North India Automobiles	9,000	Donation Box	4,630
Shri Jagannath Prasad Jaiswal	7,500	Shri Lakshmi Prasad Gupta	4,125
Shri Lakshmikant Jaiswal.	7,500	Shri Shishir Gupta	4,000
P.R. Trading Co.	7,500	Smt. Manju Arya	4,000
Late. Shiv Nandan Prasad	7,000	Shanti Swaroop Gupta Charitable Trust	4,000
A.V.S. Earth Moving Sparecs	6,800	Indian Instruments Mfg. Co.	3,500
Smt. Birma Devi Verma.	6,500	Shri Asharam Jaiswal	3,350
Shri Surajmull Baijnath Pvt. Ltd	6,100	Vijay Spres Corporation	3,000
Shri Ashok Ji Chaudhary	5,100	Santosh Sanitaryware	3,100
Beico Electronics	5,100	Raj & Raj	3,100
Charu Enterprises	5,100	Shri Vivek Jaiswal	2,900
Shri Jagdish Prasad Agarwal	5,100	Pt. Nachiketa Bhattacharya	2,500
Shri Juvraj Ji Shah	5,100	A.R. Verma & Sons	2,500
Shri J.J. Chauhan	5,100	Jaiswal Sewa Sangh (Kalitalla) Trust	2,500
Shri Sanjay Agarwal	5,100	Vijay Enterprise	2,500
Smt. Babita Goel	5,100	Shri B.L. Chaudhary	2,500
Techno Spres	5,100	Techno Spres	2,200
Ressi A- One Exports	5,100	Smt. Mridula Agarwal	2,100
Arya Sundara Devi Jankalyan Trust	5,100	Navin Leather Co.	2,100
Smt. Sushila Agarwal, Manju Agarwal	5,100	Mewalal suresh Chand	2,100

Names	Rs.
Pannalal Ramesh Chand	2,100
Spres Parts Corporation	2,100
Evergreen Enterprise	2,100
Umesh Earth Movers	2,100
Subham Earth Movers	2,100
Shri Vikash Agarwal	2,100
Kumar Enterprise	2,100
Bharat Industrial Corporation	2,100
Smt. Snehlata Gupta	2,100
Shri Yogendra Damani	2,100
Raghupat & Brothers	2,100
Smt. Kalawati Devi Arya	2,100
Smt. Preeti Agarwal	2,100
Shri Ramesh Chand Agarwal	2,100
Princep Corner	2,100
Smt. Madhuri Shah	2,100
Shri Babulal Sharma	2,100
Shri Gorakh Sonawane	2,100
Shri sanjeev P Gupta	2,100
Shri Shashi Bhusan Sriwastava	2,001
Smt. Ramawati Arya	2,000
Shri Vijay kant Dubey	2,000
Anurag Steel Corporation	2,000
Raju Brothers	2,000
Shri Jawahar lall Shaw	2,000
Smt.Neelam Praveen	2,000
S. Narayan & Brothers	2,000
Singh & Sons	2,000
Shri Radheshyam Kanoria	2,000
Raju Brothers	2,000
Shri Suresh Chand Jaiswal	1,800
Shri Ranjit Kumar Jha	1,690
Shri Hiralal Jaiswal & R.P. Verma	1,620
Shri Satya Prakash Jaiswal	1,600
National Tube Enterprise	1,600
Machino Parts of India	1,551
Ram Vijay & Co.	1,500
Shiv Trading Corporation	1,500

Names	Rs.
Shri Bhimsen Garg	1,500
Shri Magan Ram Shaw	1,500
Dayaram & Brothers	1,500
Shri Khaderu Ram Shaw	1,500
Nath Brothers	1,500
Kamla Prasad Jwala Prasad	1,500
Bharat Marketting Co.	1,500
J.P. Steel	1,500
Shri Nirdosh Kumar Agarwal	1,200
Shri Satish Chand Jaiswal	1,111
By Coupon	1,110
Diamond Chain Corporation	1,100
Light Motor Stores	1,100
Shri Manish Chand Shaw	1,100
Shri Chandra Kant Gupta	1,100
Shri maa Santoshi Spares	1,100
Star Auto Centre	1,100
Kapany Engineering Co. Pvt.Ltd.	1,100
Shri Pyarelal Bajaj	1,100
Shri Kumud Mishra	1,100
Tracto Diesel Enterprise	1,100
India Sports Co.	1,100
Trek Parts Industries	1,100
Star Spres Agency	1,100
Spres India	1,100
Shri Sukomal Singh	1,100
Shri Ajay seth	1,100
Smt. Reshmi Seth	1,100
Shri Brijesh Chaurasia	1,100
Shri Gangaram Jaiswal	1,100
Heavy Equipment	1,100
Vasudev Traders	1,100
Standard Spres Corpn	1,100
The New Calcutta Gasket Co.	1,100
Shri Vikash Agarwal	1,100
Annapurna Jaiswal	1,100
Sanjay Engineering Corporation	1,100
Tal Brothers	1,100

Names	Rs.
Smt. Nirmala Devi	1,100
Shri Nirdosh Kumar Agarwal	1,100
Shitala Prasad Kali Prasad	1,100
Industrial Chain & Lifting Equipments	1,100
R.B. Trading Co.	1,100
Shri Mahesh Jaiswal	1,100
Moving Chain Centre	1,100
Smt. Bimla Devi Agarwal	1,100
Arya Stree Samaj Bhawanipur	1,100
Shri Raju Agarwal	1,100
Hariom Freight Carriers (P) Ltd	1,100
Shri Ashok Kumar Dubey	1,100
Shri Ashok Agarwal	1,100
Shri Nawal sharma	1,100
Trientra Express (P) Ltd	1,100
Smt. Santosh Goel	1,100
Smt. Bimla Bageria	1,100
Lords Steel	1,100
Shri Shiv Kumar Jaiswal	1,100
Jagdish Narayan Indra Bahadur	1,100
Smt. Rampati , Dev Narayan Tiwari	1,100
Super Engineering Co.	1,100
Smt. Sushma Anand	1,100
Shri Manoj Gupta	1,100
Hamja Steel Corporation	1,100
Ramdhani Jaiswal & Sons	1,100
Shri Ram Phool Jaiswal	1,005
Shri Rahul Jaiswal	1,001
Smt. Gayatri Gupta	1,000
Shri Mohanlal & Mrs, Indira Devi	1,000
Ashok Kumar & Brothers	1,000
S.S. Traders	1,000
Durga Trading Co.	1,000
Mahalakshmi Iron Trading Co.	1,000
A. Arvind & Co.	1,000
P.K. Jaiswal & Brothers	1,000
Shri Sanjeev Kumar Jaiswal	1,001

Names	Rs.
Arya Samaj Udhawa	1,000
Chandra & Chandra	1,000
Betterman Engineering Pvt. Ltd	1,000
Eastern Iron & Steel Co.	1,000
Tara Enterprise	1,000
Shri Satya Prakash Jaiswal	1,000
A.K. Steel Industries	1,000
Shri Basant Kumar Memani	1,000
Shri Vivek Jaiswal	1,000
Shri Deepak Jaiswal	1,000
Om Byawasayik Sangh	1,000
Shri Doodhnath, Haunuman Prasad	1,000
Shri Achchhelal Seth	950
Smt. Sushila Pathak	800
Inter Sales Agency	751
Kailash Chand Subhas Chand	751
Shri Santosh Gupta	700
Shri Vijay Anand Jaiswal	600
Shri Kapoor Chand Jaiswal	600
Anil Kumar & Brothers	600
Smt. Rajshree Agarwal	600
Shriram satyaprakash	551
Smt. Leena Damani Upopadhyay	501
Shri Shiv Kumar Agrahari	500
Shri Dev Muni Vanprasthi	500
Shri Lalchand Seth	501
Shri Prem Seth	500
Samrat earth Movers	500
Shri Gayadeen Seth	500
Shri Mannalal Seth	500
Ram Karan & Sons	500
Rajesh Tube Corporation	500
Rahul Enterprise	500
Shri Siyaram yadaw	500
Smt Sushila Jaiswal	501
Smt. Rashmi Jaiswal	501
Smt. Beena Jaiswal	500
Ram Chandar & Brothets	500

Names	Rs.	Names	Rs.
Shri ram Achasl Prajapati	501	Smt. Bhagwati Devi Agarwal	500
Shri Ashok Kumar Jaiswal	501	Smt. Sheela Verma	501
Shri Manoj Kumar Gupta	500	Smt. Ranjita Verma	501
Shri Raj Kumar Jaiswal	501	Smt. Satyawati Jaiswal	501
Shri Deepak Prakash Shaw	500	Smt.Gitarani Jaiswal	500
Shri Parasnath Prasad	501	Smt. Manju Mallick	500
Sarvodaya Vichar Parishad	500	Smt. Jayashree Agarwal	500
Shri Man Chand Arya	501	Smt. Chanda Jaiswal	501
Smt. Praveena Jaiswal	500	Shri Rajesh Mishra	501
Smt. Smita Jaiswal	500	Smt. Jyoti Agarwal	500
Smt. Sanjukta Jaiswal	500	Smt. Beera Devi Jaiswal	500
Shri R.K. Agarwal	500	Smt. Asha Jaiswal	501
Shri Satendra Jaiswal	501	Smt. Neelam Jaiswal	501
Shri Vijay Poatodia	500	Shri Ram Poojan Verma	501
Shri Ganesh Prasad Jaiswal	500	Smt. Sunita Goel	500
Pradeep Enterprise	500	Smt. Bimla Bagaria	500
Indian Steel Enterprise	500	Smt. Sushila Jaiswal	500
Shitala Steel Corporation	500	Smt. Archana Seth	501
shri Narendra Kumar Jaiswal	500	Smt. Sharda Devi Gupta	500
Ashok Kumar , Manish Kumar	500	Shri Vishal Jaiswal	500
Hari Om Engg. (Ashok Kumar Jaiswal)	500	Shri Siddharth Gupta	500
Shri Chandra Sekhar jaiswal	501	Shri Satyanarayan Jaiswal	501
Shri Pawan Jaiswal	501	Shri Bibit Kumar Jaiswal	500
Shri Anup Kumar Gupta	501	Shri Shiv Charan Seth	500
Shri Amit Kumar Ji	501	Shri Harsh Lal Jaiswal	500
Shri Jagdish Jaiswal	501	Arya Samaj Howrah	500
Shri Khushal Chand Arya	501	Shri Dipak Jaiswal	501
Shri Pradeep Kumar shaw	501	Shri Ramesh Kumar Jaiswal	500
Shri Kubec Udyog	500	Mahavir Engineering Works	500
Arya samaj Dharua	500	S. Krishna Jaiswal Datavya ausdhalaya	500
Shri Akhtar Alam	500	Prakash Company	501
Manoj Kumar Arvind Kumar	500	Shri Shiv Shankar jaiswal	500
Bajrang Automobiles	500	Shri Subhash Gupta	501
Shri Devnarayan Shaw & Shiv Pujan Ji	500	Shri Gita Ispat	500
Shri Adya Prasad Jaiswal	501	Bharat Iron Stores	500
Shri Arun Prasad Jaiswal	501	R.N.R. Udyog	500
Smt. Neelam Praveen	500	Singh Iron & Steel Co.	500

Names	Rs.	Names	Rs.
Kanpur Steel Traders	500	Smt. Malti Devi, Nandlal Prasad	251
Shri Rajendra Jaiswal	500	Shri Ram Sharan Jaiswal	251
Shri Rajendra Kumar Gupta	500	Shri Mahendra Kumar jaiswal	200
Late Sahdev Ram Jaiswal	501	Arun kumar Anup Kumar	250
Shri Rajendra Prasad Jaiswal	500	Shri Ram Padarath jaiswal	250
Shri Vinod Jaiswal	501	Lal Chand Madanlal	250
Shri Shiv Kumar Jaiswal	501	P. Nath & Sons	250
Shri Subhash Chandra Jaiswal	501	Maha sati maa Iron Stores	200
Shri Vinay Kumar Arya	500	Ganpati Steel	250
Shri Gorakh Prasad Jaiswal	400	Ram Khelawan Ram Chet Shaw	250
Arya samaj Braharwa	351	Hazarilal Kali Prasad	250
Smt. Asha Jaiswal	350	Ma Tara Metal Co.	250
Shri Krishna Iron Trading Co.	350	Shri Biki	250
Shree Ram Steel Syndicate	300	Shri Satish Kumar Gupta	250
Manraj Ram Acharaj Ram	300	Shri Shyam Sundar Seth	250
Shri Jagarnath Verma	300	Shri Deepak Jaiswal	250
Durga Iron Stores	300	Shree Traders	250
Shri Arvind Kumar Jaiswal	300	Smt. Asha Arora	250
Chandi Prasad & Sons	300	Smt. Sarika Jaiswal	250
Shri Ram Gopal shaw	300	Smt. Reena Jaiswal	250
H.P. Trading Corporation	300	Shri Kundan Prasad	250
Jaiswal Steel Corporation	300	Mahak Steel	250
Steel Udyog	300	Shri Harilal Jaiswal	250
Shri Radheshyam Jaiswal	251	Steel India	250
Shri Raj Kumar Shaw	251	Kamakhya Weigh Bridge	250
Bhagwan Das & Sons	251	Lal Chand & Sons	250
Shri Rajendra Rastogi	251	Shri Kapil Dev Ram Shaw	250
Shri Suresh Gupta	251	Mewalal Jawahar lal	250
Shri Ram Chandra Seth	251	Saranams World	250
Shri Mewalal Shaw	251	Ramjash Hiralal	250
Shri Sujal Jaiswal	251	Ram Sundar & Co.	250
Shri Sumedh Jaiswal	251	Shri Pradeep Jaiswal	250
Shri Deendayal Gupta	251	Shri Gajanand Ram	211
Smt. Satyawati Gupta	251	Shri Manilal Arya	205
Smt. Aradhana Jaiswal	251	Smt. Bharti Jaiswal	205
Rameshwar Dayal Mahesh Chand	251	Shri Krishna Sharma	201
Smt. Reeta Jaiswal	251	Shri Jhinkoo Prasad Jaiswal	201

Names	Rs.	Names	Rs.
Shri Dayaram Jaiswal	201	Shri Niranjan sharma	151
Shri Anant Lal Jaiswal	201	Shri Kedarnath Prasad	151
Smt.Archana Shaw	201	Shri Harilal Maurya	151
Shri Ram Naresh Seth	201	Smt. Prateeksha Jaiswal	151
Smt. Meera Jaiswal	201	Smt. Ranjana Gupta	151
Shri Achchhelal Shaw	201	Smt. Sumitra Jaiswal	151
Smt. Kailsh Devi	201	Smt. Savitri Devi Jaiswal	151
Smt. Sunita Jaiswal	201	Shri Tarapada Arya	151
Shri Bajrang Lal agarwal	201	Smt. Sadhana Jaiswal	151
Smt. Kailash Gupta	201	Smt. Janki Jha	151
Shri Sarthak Jaiswal	201	Shri Govind Ram	151
Smt. Punam Jaiswal	201	Shri Gyan Chand Dhar	150
Shri Subash Chand Dutta	201	Shri Prakash jaiswal	150
Smt. Maya Gupta	200	Shri Amar Singh Saini	150
Smt. Geeta Sharma	200	M.L. Gupta & sons	150
Smt. Birma Devi	200	Shri Kanhaiya Jaiswal	150
Smt. Saraswati Arya	200	Shri Orilal Jaiswal	121
Smt. Soni Jaiswal	200	Shri Om Prakash Gupta	111
Smt. Kanchan Jaiswal	200	Shri Feku Mandal	105
Smt. Sangita jaiswal	200	Shri Shyam Kumar Singh	102
Smt. Pooja jaiswal	200	Shri Bhubaneshwar Arya	101
Shri Ashok Jaiswal	200	Dharam Weigh Bridge	101
Shri Ram Roop Seth	200	Shri Lakhan Dev Sharma	101
Smt. Kusum Kapoor	200	Shri Ashok Jaiswal	101
Shri Dayanand Prakash agarwal	200	Smt. Puspa Shaw	101
Pt. Vikramaditya Arya	200	Shri Kishore Bhai	101
Smt. Shalini Kapoor	200	Shri Mahendra Raja	101
S. K. Trading (Chinto)	200	Shri Narayan Singh	101
Shri Lakhi Prasad Jaiswal	200	Smt. Bimla Devi Agrahari	101
Anand steel traders	200	Smt. Manju Mallik	101
Shri V.D.M	200	Smt. Bimla Gupta	101
Shri Bimal Karmakar	200	Smt.Nirmala Devi Jaiswal	101
Shri Kundan Jaiswal	200	Smt. Bandana Gupta	101
Shree Shashi Kant Pandey	200	Shri Bablu Chaurasia	101
Shri Shiv Prasad Shaw	200	Shri Yogeshwar Yogesh	101
Rajesh Steel	200	Shri Dinesh Chand Jaiswal	101
Ramjeet Steel	200	Smt. Sushila Jaiswal	101
Shri Har Gauri Bhagat	151		

Names	Rs.
Shri Rajesh Kumar Jaiswal	101
Smt. Uma Jaiswal	101
Smt. Neetu Jha & Shri Ajit Kumar Jha	101
Smt. Pramila Jaiswal	101
Smt. Poonam jaiswal	101
Smt. Shakuntala Jaiswal	101
Smt. Sundari Chaudhary	101
Smt. Gita shaw	101
Smt. Archana Seth	101
Smt. Seema jaiswal	101
Shri R.K. Kapoor	101
Shri Ram Charitra Prasad	101
Shri Madan Lal Arya	101
Master.Vedanshu Jaiswal	101
Shri Vijay Arya	101
Pt. Apuvadev Sharma	100
Shri Devendra Kumar Jaiswal	100
Shri Shrawan Kumar Shaw	100
Smt. Nirmala Gupta	100
Smt. Reena Halder	100
Smt. Maya Roy	100
Smt. Daya Devi Agarwal	100
Smt. Reeta Jaiswal	100
Shri Ashok Jaiswal	100
Smt. Gena Verma	100
Parasuram amarnath Gupta	100
Shri Gulab Chand Jaiswal	100
Shri Sohan lal	100
Munna Dewki Balai	100
Jitendra , Jagdish Jaiswal	100
Jamunaram Vishwanath prasad	100
Shri P. K. Jaiswal	100
Shri Dharam Rakshit Arya	100
Smt. Anima Arya	100
Pt. Madhusudan Shastri	100
Shri Sukhdev Arya	100
Shri Pradatta Kumar Mandal	100
Shri Sudarshan Yadaw	100
Shri Jogendra Jaiswal	100

Names	Rs.
Smt. Shanti Devi	100
Shri Jawahar Lal Arya	100
Shri Tarkeshwar Gupta	100
Shri Tapan Kumar Devsharma	100
Shri Gautam Gupta	100
Shri Arvind Kumar Roy	100
Shri Dilip Kumar & Sons	100
Shri Shiv Kumar Sharma	100
Maa Sarvamangla Iron Steel	100
Shri Kali Prasad , Kaushal Prasad	100
Shri Hriday Mohan Jaiswal	100
Shri Satya Narayan shaw	100
Shri Jagdish Prasad Jaiswal	100
Shri Shantanu Bose	100
Shri R. B. Modi	100
Shri Sanjeev Narula	100
Shri Dinesh Sharma	55
Shri Kartik Jadav	51
Shri Lalit Mandal	51
Shri Santosh Mandal	51
Shri Basudev Mandal	51
Shri Shankar Shambhu Arya	51
Smt. Poonam Arya	51
Smt. Sunita Arya	51
Shri Mahadev Shaw	51
Shri Aditya Agarwal	50
Smt. Shanti Devi	50
Smt. Usha Jaiswal	50
Shri Bhogendra Singh	50
Shri Pannalal shaw	50
Shri Prafulla Kumar Bera	50
Shri Ram Samujh Gupta	50
Shri Chhabilal Mandal	30

आर्य समाज कलकत्ता के प्रकाशन

पुस्तक विक्रेता, आर्य संस्थाओं, उपदेशकों को ४० प्रतिशत की छूट दी जाती है ।

	पुस्तक का नाम	लेखक/सम्पादक	मूल्य
१.	युग निर्माता सत्यार्थ प्रकाश-संदर्भ दर्पण (ऐतिहासिक संदर्भ में सत्यार्थ प्रकाश की यात्रा का दस्तावेज)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
२.	स्वामी दयानन्द का राजनीति दर्शन (स्वामी दयानन्द के राजनीत दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन)	डॉ० लाल साहेब सिंह	५०.००
३.	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की देन (उन्नीस उत्कृष्ट निबंधों का संग्रह)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय द्वारा सम्पादित	१५.००
४.	त्रैतवाद का उद्भव और विकास (त्रैतवाद का उसके उद्भव और विकास के वैशिष्ट्य को स्पष्ट करने वाला दर्शन का शोधपूर्ण ग्रंथ)	डॉ० योगेन्द्र कुमार शास्त्री	२०.००
५.	उपनिषद् रहस्य (ईश केन और प्रश्न ३ उपनिषदों की सारगर्भित व्याख्या)	महात्मा नारायण स्वामी ''सरस्वती''	२०.००
६.	श्री श्री दयानन्द चरित	श्री सत्यबन्धुदास	१०.००
७.	महर्षि दयानन्द की देन (निबन्धों का संग्रह)	आर्यसमाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित	३०.००
८.	धर्मवीर पं० लेखराम	स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती	५०.००
९.	आनन्द संग्रह (स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज के उपदेशामृत)	वीतराग स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज	२५.००
१०.	भाई परमानन्द (बलिदानी वंश के कुलदीपक की अमर कहानी)	श्री बनारसी सिंह	१०.००
११.	धर्म का आदि स्त्रोत	पं० गंगाप्रसाद जी	३०.००
१२.	संकल्प सिद्धि (विचारों के संकल्प विकल्प का अनोखा चिन्तन)	स्वामी ज्ञानाश्रम	३०.००
१३.	ज्योतिर्मय (श्रीयुत् टी. एल. वास्वानी द्वारा लिखित (Torch Bearer)) का हिन्दी अनुवाद	टी.एल. वास्वानी	३०.००
१४.	वेद-वैभव	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१५०.००
१५.	कर्मकाण्ड	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१०.००
१६.	स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान	ले० सत्यप्रिय शास्त्री	५०.००
१७.	आर्यसमाज कलकत्ता का इतिहास	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	८०.००
१८.	मेरे पिता	इन्द्र विद्यावाचस्पति	५०.००
१९.	वेद और स्वामी दयानन्द	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२०.	व्यतीत के यश की धरोहर (महासम्मेलनों के संस्मरणात्मक आकलन)	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	६०.००
२१.	Torch Bearer	टी० एल० वास्वानी	३५.००
२२.	पं० गुरुदत्त लेखावली	मुनिवर पं० गुरुदत्तजी 'विद्यार्थी'	२५.००
२३.	प्रार्थना प्रवचन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५०.००
२४.	सन्ध्यारहस्य एवं संन्ध्या अष्टांग योग	प्रो० चमूपति एवं स्व० आत्मानन्द (एक जिल्द)	३०.००
२५.	बंगाल शास्त्रार्थ	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	४०.००
२६.	वेद में गोरक्षा या गोवध	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	५.००
२७.	वेद रहस्य	महात्मा नारायण स्वामी जी	३५.००
२८.	वेद वन्दन	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००
२९.	राज प्रजाधर्म प्रबोधभाष्य	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	७०.००
३०.	वेद-वीथिका	प्रो० उमाकान्त उपाध्याय	१६०.००

आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी कोलकाता - ६ के लिए श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल द्वारा प्रकाशित तथा एशोशियेटेड आर्ट प्रिण्टर्स, ७/२, विडन रो, कोलकाता-६ में मुद्रित ।